प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News @dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 152 | दिनांक : बुधवार, 03 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

सुविचार

मुस्कुराहट वह ताकत है जो बड़े से बड़े दुख को भी हल्का कर देती है।

वैभव सूर्यवंशी होंगे आईआईएम की रिसर्च का हिस्सा, कम उम्र में मिली सफलता बनी चर्चा का विषय... » पृष्ठ 7 पर

संक्षिप्त न्यूज

शादी के बाद बेटी का मायके से संबंध खत्म नहीं होता

हक देने से इनकार नहीं कर सकती सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एएम नाथ)- सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी शादीशुदा बेटी को केवल उसके विवाहित होने के आधार पर किसी कल्याणकारी योजना का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि शादीशुदा बेटियों को योजनाओं से बाहर रखना लैंगिक पूर्वाग्रह पर आधारित है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता का अधिकार और अनुच्छेद 15 के तहत भेदभाव निषेध का उल्लंघन है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी योजना में पात्रता तय करने का आधार निर्भरता आर्थिक जरूरत और अन्य निर्धारित योग्यताएं होनी चाहिए, न कि यह कि महिला विवाहित है या नहीं। पीठ ने कहा कि यह मान लेना कि विवाह के बाद बेटी अपने मायके की सदस्य या उस पर निर्भर नहीं रहती, संवैधानिक रूप से अस्वीकार्य है। विवाह से बेटी और उसके मायके के बीच का संबंध समाप्त नहीं होता और न ही इससे यह मान लिया जा सकता है कि वह अब अपने परिवार पर निर्भर नहीं है।

वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का 5 दिवसीय भारत दौरा

ऊर्जा-व्यापार मजबूत करने पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (ब्यूरो)- वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पांच दिवसीय दौरे पर भारत आ रहीं हैं। वह बुधवार (3 जून 2026) को भारत आएंगी। राष्ट्रपति डेल्सी का भारत दौरा ऊर्जा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि रोड्रिगेज तीन से सात जून तक भारत की यात्रा पर रहेंगी और इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर व्यापक विचार-विमर्श करेंगी। जायसवाल ने बताया कि रोड्रिगेज के साथ विदेश मामलों, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना और परिवहन सहित अन्य विभागों के मंत्री भारत आएंगे।

56 साल की डेल्सी रोड्रिगेज श्रम कानून की वकील रहीं हैं। वह निकोलस मादुरो की बेहद करीबी मानी जाती थीं। इसके बावजूद अमेरिका ने उन्हें राष्ट्रपति के तौर पर समर्थन दिया। गौरतलब है कि ये साल वेनेजुएला की राजनीति के लिए उथल-पुथल का साल रहा है। अमेरिका ने इस साल जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को नार्को-आतंकवाद की साजिश रचने के आरोप में हिरासत में ले लिया था। इसके बाद से डेल्सी रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला था।

कर्नाटक में DK युग का आरंभ! आज 10 मंत्रियों के साथ लेंगे ष्टरूपद की शपथ, परमेश्वर बन सकते हैं डिप्टी

डीके शिवकुमार बुधवार को शाम 4:05 बजे शपथ लेंगे

बेंगलुरु (ब्यूरो)- कर्नाटक के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत लोक भवन के ग्लास हाउस में शाम 4.05 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। उनके साथ 10 से 12 विधायक भी मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। कैबिनेट को लेकर मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया ने बैठक की थी। इस बैठक में मंत्री बनने वालों के नाम फाइनल किए गए हैं।

डीके शिवकुमार को 30 मई को विधायक दल का नेता चुना गया था। इससे पहले पिछले कुछ महीने से उनकी सिद्धारमैया के साथ सत्ता को लेकर खींचतान चल रही थी। कांग्रेस हाईकमान के आदेश पर सिद्धारमैया ने पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

पंजाब सरकार का बड़ा फैसला

26 साल पुरानी KCC व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव

फसल-वार बढ़ी क्रेडिट लिमिट, पराली प्रबंधन को भी मिला वित्तीय सहयोग

- **किसानों को मिलेगा अधिक कर्ज और डिजिटल सुविधा**
- **भगवंत मान सरकार ने कृषि ऋण ढांचे में किया ऐतिहासिक बदलाव**

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

02 जून (एएम नाथ)

पंजाब सरकार ने कृषि क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रणाली में व्यापक सुधार किए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे पिछले 26 वर्षों के पुराने ढांचे को बदलने वाला ऐतिहासिक फैसला बताया है। नई नीति के तहत किसानों की फसल-वार क्रेडिट लिमिट में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की गई है, जिससे उन्हें फसल की वास्तविक लागत के अनुसार अधिक संस्थागत ऋण उपलब्ध हो सकेगा।

सरकार का दावा है कि इस सुधार से किसानों को साहूकारों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और सहकारी बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और गेहूं-धान के पारंपरिक चक्र से बाहर निकलने का रास्ता आसान होगा। नई व्यवस्था में डिजिटल भुगतान जैसे एटीएम और यूपीआई के जरिए ऋण उपयोग की सुविधा भी दी गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गेहूं के लिए ऋण सीमा 24,380 रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 30,000 रुपये प्रति एकड़ कर दी गई है, जबकि धान के लिए यह 25,440 रुपये से बढ़ाकर 39,000 रुपये प्रति एकड़ की गई है। गन्ना उत्पादकों के लिए भी बड़ा बदलाव करते हुए नई फसल के लिए सीमा 44,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रति एकड़ कर दी गई है।

सरकार ने पहली बार पराली प्रबंधन को भी केसीसी ढांचे में शामिल किया है, जिसके तहत धान की नई सीमा में 2,000 रुपये प्रति एकड़ विशेष रूप से पराली प्रबंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं। बागवानी फसलों के लिए भी ऋण सीमा 32,000 रुपये से बढ़ाकर 1.57 लाख रुपये प्रति एकड़ तक की गई है।

मुख्यमंत्री मान ने कहा कि यह सुधार किसानों को आर्थिक स्वतंत्रता देने और कृषि को अधिक लाभकारी व टिकाऊ बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे राज्य के 13 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

चिट्टे के खिलाफ सख्त रुख, कोई समझौता नहीं होगा : सुक्खू

» प्रथम न्यूज । शिमला

02 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में चिट्टा और नशे के कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए युवाओं को नशा मुक्ति केंद्रों तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है, जबकि नशे के कारोबार में लिप्त तस्करों को कड़ी कानूनी कार्रवाई के तहत जेल भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि यदि इस नेटवर्क में कोई पुलिसकर्मी शामिल पाया गया तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा, क्योंकि कानून के सामने सभी समान हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए डीजीपी और हिमाचल प्रदेश पुलिस की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त हिमाचल के लक्ष्य को मजबूत करने के लिए 7 जून को मशोबरा में नशा मुक्ति केंद्र का उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ ही टांडा में भी एक नया नशा मुक्ति केंद्र शुरू किया जाएगा, जिससे प्रभावित युवाओं के पुनर्वास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर पूरी मजबूती से काम कर रही है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

- **नशामुक्त हिमाचल की ओर बड़ा कदम, मशोबरा और टांडा में खुलेंगे नए केंद्र**

द. अफ्रीका के उपराष्ट्रपति से मिली राष्ट्रपति मुर्मू

भारत-दक्षिण अफ्रीका से व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान : राष्ट्रपति मुर्मू

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

02 जून (एएम नाथ)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों को मौजूदा 15.5 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास करने चाहिए। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के उप-राष्ट्रपति शिपोकोसा पौलुस माशाटाइल के साथ राष्ट्रपति भवन में हुई मुलाकात के दौरान कही।

राष्ट्रपति मुर्मू ने उप-राष्ट्रपति माशातिले का भारत की उनकी पहली यात्रा पर गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच संबंध ऐतिहासिक, घनिष्ठ और विशेष महत्व के हैं। दोनों देशों की मित्रता साझा मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और आपसी सहयोग पर आधारित है।

व्यापारिक सहयोग पर चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान व्यापारिक स्तर संतोषजनक है, लेकिन इसमें और अधिक विस्तार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने दोनों देशों के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि कंपनियों को एक-दूसरे के बाजारों में निवेश और कारोबार बढ़ाने में सुविधा मिल सके।

राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि मजबूत आर्थिक साझेदारी से न केवल व्यापार बढ़ेगा, बल्कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक और विकासात्मक सहयोग भी और अधिक सुदृढ़ होगा।

पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर किसान आंदोलन तेज, एफआईआर के बाद तनाव बढ़ा

पाइपलाइन विवाद पर भड़का प्रदर्शन, महिलाएं भी धरने में शामिल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

02 जून (एएम नाथ)

पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर भाखड़ा मुख्य नहर से जुड़ी पाइपलाइन परियोजना को लेकर चल रहा किसान आंदोलन अब और तेज हो गया है। हाल ही में पाइपलाइन उखाड़ने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में पुलिस द्वारा 31 प्रमुख किसान नेताओं सहित कई अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में किसानों का गुस्सा और बढ़ गया है।

प्रदर्शनकारी किसानों का आरोप है कि यह पाइपलाइन प्रोजेक्ट उनकी खेती योग्य जमीनों और स्थानीय जल स्तर को नुकसान पहुंचा रहा है। उनका कहना है कि सरकार बिना उचित मुआवजे और सहमति के जबरन परियोजना को आगे बढ़ा रही है। इसी विरोध के चलते कुछ दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर सरकारी पाइपलाइन को उखाड़ दिया और काम रोक दिया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

एफआईआर दर्ज होने के बाद आंदोलन में महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखी जा रही है। कई जगहों पर किसान महिलाएं धरने पर बैठ गई हैं और प्रशासनिक कार्यालयों के बाहर अनिश्चितकालीन प्रदर्शन कर रही हैं। उनका कहना है कि किसानों को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है और जब तक एफआईआर वापस नहीं ली जाती, आंदोलन जारी रहेगा। किसान यूनियनों ने अब आंदोलन को और तेज करने का ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो कल से सामूहिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है और सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर बनाए हुए हैं ताकि कानून-व्यवस्था बिगड़ने न पाए।

फिलहाल दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ है और स्थिति पर प्रशासन की पैनी नजर है।

कांगड़ा को मिली रेल की नई रफ्तार, नैरो गेज ट्रेन को हरी झंडी

डबल इंजन सरकार का दावा- कांगड़ा में रेल विस्तार से मजबूत होगी कनेक्टिविटी

- **नैरो गेज सेवा से पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा**

» प्रथम न्यूज । कांगड़ा

02 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा रेलवे स्टेशन से नैरो गेज ट्रेन सेवा की शुरुआत के साथ क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा मिली।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर और राज्यसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक पवन काजल, विधायक ठाकुर रणबीर सिंह निक्का और रेलवे के डीआरएम विवेक कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य हिमाचल के हर कोने को रेल नेटवर्क से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि नैरो गेज ट्रेन सेवा से कांगड़ा-धर्मशाला क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने चक्की नदी पुल के पुनर्निर्माण और रेल सेवाओं की बहाली का भी उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं को विकासोन्मुख बताया। डॉ. राजीव भारद्वाज ने इसे पहाड़ी राज्य के विकास की नई शुरुआत बताया।

वहीं पवन काजल ने कहा कि यह लंबे समय से लंबित जनता का सपना था, जो अब साकार हुआ है। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन पर भारत माता की जय और जय भाजपा तय भाजपा के नारे गूंजते रहे। नेताओं ने इसे क्षेत्र के पर्यटन, व्यापार और कनेक्टिविटी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

देशभर में मौसम का कहर

किश्तवाड़ में बादल फटा, 5 की मौत

नई दिल्ली (ब्यूरो)- देश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक भीषण रूप ले लिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर बादल फटने की घटना से भारी तबाही हुई है। अचानक आए सैलाब के कारण नदियों और नालों में तेज़ बाढ़ आ गई, जिससे रिहायशी इलाकों और खेतों को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन और राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं, हालांकि पहाड़ी इलाका होने से मुश्किलें बढ़ गई हैं।

वहीं राजस्थान और मध्य प्रदेश में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं ने जनजीवन प्रभावित किया है।

60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने पेड़ और बिजली के खंभे गिरा दिए। कई जगहों पर मकानों को नुकसान पहुंचा है और खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दोनों राज्यों में कुल 5 लोगों की मौत की खबर है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 48 घंटों में उत्तर भारत के कई हिस्सों में धूलभरी आंधी और बारिश की संभावना है, जिससे गर्मी से राहत मिल सकती है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

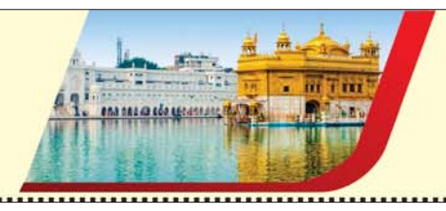

संक्षिप्त न्यूज

कृषि विभाग सहित विभिन्न अधिकारियों ने किया गांवों का दौरा; किसानों को फसल के अवशेष न जलाने के लिए किया जागरूक

गुरदासपुर (संदीप सन्नी)- डिप्टी कमिश्नर गुरदासपुर आदित्य उप्पल के कुशल नेतृत्व में जिले की सभी सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट टीमों, कृषि विभाग और विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का सघन दौरा किया जा रहा है। इस मुहिम के तहत अधिकारियों द्वारा किसानों को फसल के अवशेष (गेहूं की नाड़) न जलाने के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है और साथ ही जहां भी खेतों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया भी जा रहा है।

खेतों में ही अवशेष मिलाने से कम होगा खादों का खर्च : मुख्य कृषि अधिकारी गुरदासपुर रणधीर ठाकुर ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि चेकिंग टीमों द्वारा किसानों को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सख्त हिदायतों के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। उन्होंने किसानों को जागरूक किया कि वे फसल के अवशेषों को जलाने की बजाय आधुनिक कृषि यंत्रों की मदद से खेत की जमीन में ही मिलाकर नष्ट करें। ऐसा करने से भूमि की उपजाऊ शक्ति में भारी वृद्धि होती है, जिससे अगली फसल की पैदावार बढ़ेगी और रासायनिक खादों पर होने वाला अनावश्यक खर्च भी घटेगा।

प्रदूषण के साथ-साथ बड़े जान-माल के नुकसान का खतरा : मुख्य कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि गेहूं के अवशेषों को आग लगाकर किसान न केवल अपनी जमीन की सेहत और मित्र-कीटों को नष्ट कर रहे हैं, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर रूप से प्रदूषित कर रहे हैं। इन दिनों गर्मियों के मौसम में तेज हवाएं चलती हैं, जिसके कारण खेतों की आग बेकाबू होकर विकराल रूप धारण कर सकती है, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। इसके अलावा सड़कों और खेतों के किनारे लगे हरे-भरे पेड़-पौधे तथा प्रकृति के लिए जरूरी बेजुबान जीव-जंतु व पक्षी भी इस आग की चपेट में आकर झुलस जाते हैं।

नियमों का उल्लंघन करने वाले किसानों पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई : अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करके खेतों में गेहूं की नाड़ को आग लगाने वाले किसानों के प्रति प्रशासन का रुख बेहद कड़ा है। नियमों की अनदेखी करने वाले जिम्मेवार किसानों के मौके पर ही चालान काटे जा रहे हैं और उनके खिलाफ बनती सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने सभी किसानों से अपील की कि वे वातावरण को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

बहल ने गांव काला नंगल की वर्षों पुरानी मांग की पूरी; छप्पड़ की सफाई और जल निकासी के लिए 10 लाख रुपये की ग्रांट जारी

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - गुरदासपुर विधानसभा क्षेत्र के इंचार्ज रमन बहल द्वारा हल्के के गांवों और शहरों में लगातार सर्वांगीण विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत आज उन्होंने गांव काला नंगल के निवासियों की वर्षों पुरानी और बेहद महत्वपूर्ण मांग को पूरा करते हुए गांव के छप्पड़ की सफाई तथा गंदे पानी की उचित निकासी के लिए 10 लाख रुपये की ग्रांट जारी की है।

गुरदासपुर के विकास कार्य युद्ध स्तर पर जारी : इस अवसर पर गांव वासियों से बातचीत करते हुए रमन बहल ने कहा कि वह पिछले चार वर्षों से गुरदासपुर हलके के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। गुरदासपुर शहर समेत क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बड़े स्तर पर विकास कार्य करवाए गए हैं और अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट इस समय भी तेज गति के साथ प्रगति पर हैं।

मान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मिल रहा सीधा लाभ : उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य भर में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवा रही है। गुरदासपुर हल्के के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना और 10 लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज स्वास्थ्य योजना सहित विभिन्न लोक-हितैषी सेवाओं का सीधा लाभ मुहैया करवाया जा रहा है। मान सरकार ने राज्य में जो ऐतिहासिक और जन-पक्षीय फैसले लिए हैं, उससे जनता बेहद खुश और संतुष्ट है।

जनता की सेवा ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता : रमन बहल ने दृढ़ता से कहा, मैं 24 घंटे जनता की सेवा में हाजिर हूं। मैं केवल विकास की राजनीति में विश्वास रखता हूं और लोगों की भलाई ही मेरी सबसे पहली प्राथमिकता है। उन्होंने दोहराया कि आने वाले दिनों में हलके के सभी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में और भी बड़े विकास कार्य शुरू करवाए जाएंगे, जिसके लिए सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है। इस विशेष अवसर पर जिला परिषद सदस्य एडवोकेट सुच्चा सिंह मुल्तानी सहित भारी संख्या में गांव के गणमान्य लोग और निवासी मौजूद थे, जिन्होंने इस ग्रांट के लिए रमन बहल और पंजाब सरकार का धन्यवाद किया।

सुरिंदर सिंह जौरा ने पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

जीरा, 2 जून (अंग्रेज बराड़) - पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सुरिंदर सिंह जौरा ने पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मखू में दिनदहाड़े किराना व्यापारी गुरचरण सिंह गाबा की हत्या की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि बाजार में खुलेआम एक निर्दोष व्यक्ति को गोली मारना पंजाब की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है। सुरिंदर सिंह जौरा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में निर्दोष लोगों की हत्याओं ने लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं पंजाब में कानून व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती हैं और केंद्र सरकार और पंजाब सरकार को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 1986 में नौशेरा पन्नू के पास एक बस से फेंककर निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने तुरंत सख्त कदम उठाए थे। आज भी ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

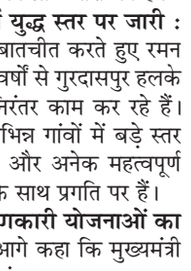

सुरिंदर सिंह जोरान ने कहा कि पंजाब की शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को भंग करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकारों से अपील की कि निर्दोष लोगों के हत्यारों को न्याय के कटघरे में लाकर जनता का विश्वास बहाल किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी जघन्य घटनाएं दोबारा न हों!

पंजाब शिक्षा क्रांति : सरकारी स्कूलों के 59 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस परीक्षा पास की

11 जेईई क्वालीफायरों के साथ पटियाला जिला प्रदेश में रहा सबसे आगे : हरजोत सिंह बैंस

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

02 जून (एएम नाथ)

शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि पंजाब शिक्षा क्रांति पहल की सफलता की सजीव तस्वीर पेश करते हुए प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 59 विद्यार्थियों ने भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड 2026 पास कर ली है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में 44 क्वालीफायरों की तुलना में इस बार 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने 59 सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी, जिनकी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल हुई है। जिला-वार आंकड़े साझा करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि पटियाला जिला 11 क्वालीफायरों के साथ सबसे आगे रहा, इसके बाद संगरूर 7 विद्यार्थियों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। लुधियाना, फिरोजपुर और एसएएस नगर से 6-6 विद्यार्थी चयनित हुए। फतेहगढ़ साहिब से 5, अमृतसर और जालंधर से 4-4, बठिंडा और गुरदासपुर से 3-3, फाजिल्का से 2 तथा रूपनगर और होशियारपुर से 1-1 विद्यार्थी जेईई एडवांस्ड पास करने में सफल रहे।

इस उपलब्धि को सरकारी स्कूल शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर बताते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, यह कोई अचानक हुआ चमत्कार

नहीं है, बल्कि हम एक साल में 44 से 59 तक पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब गांव का बच्चा भी अगर हिम्मत रखता है तो मुश्किलों को पार कर सकता है और लाखों रुपये की कोचिंग खर्च किए बिना भारत की सबसे कठिन परीक्षा पास कर सकता है।

पंजाब शिक्षा क्रांति की यही सच्चाई है जो अब साकार होती दिख रही है। हमारे विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में पढ़कर जेईई एडवांस्ड पास कर रहे हैं, एसी कोचिंग सेंटर्स से नहीं। यही असली क्रांति है। स. बैंस ने कहा, यह नतीजा उस भ्रम को भी दूर करता है कि आईआईटी में केवल बड़े-बड़े प्राइवेट कोचिंग हब से पढ़े छात्र ही जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब शिक्षा क्रांति का असली लक्ष्य आधारभूत हस्तक्षेप और योग्य शिक्षकों की सही मार्गदर्शन के माध्यम से सरकारी स्कूलों को उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग कौशल पैदा करने वाला बनाना है। अब पंजाब का हर बच्चा बड़े सपने देख सकता है और देश की सबसे कठिन परीक्षाएं पास कर सकता है।

इस उपलब्धि का श्रेय व्यवस्थागत सुधारों को देते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि यह सफलता मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के लक्षित कार्यों का नतीजा है। यह पहल सरकारी स्कूलों में जेईई और नीट की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण कोचिंग, बेहतर बुनियादी ढांचा और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है।

पंजाबी फिल्म नवा पंजाब की जालंधर में शूटिंग शुरू

फिल्म, त्याग, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायक गाथा है

» प्रथम न्यूज । जालंधर

02 जून (डोगरा)

पंजाब की मिट्टी से जुड़ी आगामी राजनीतिक एक्शन-ड्रामा फिल्म नवा पंजाब एक ऐसे युवक रणवीर की प्रेरणादायक और भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करती है, जिसने मात्र 12 वर्ष की उम्र में अपने बचपन का बलिदान देकर चार बच्चों का भविष्य संवारने का संकल्प लिया। यह कहानी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि त्याग, संघर्ष और समाज परिवर्तन की उस सोच की है, जो पूरे पंजाब को नई दिशा देने का सपना देखती है। फिल्म में रणवीर का किरदार एक ऐसे युवा के रूप में सामने आता है, जो बचपन से ही अपने भाई-बहनों की जिम्मेदारी उठाता है। वह उनके लिए मां और पिता दोनों की भूमिका निभाता है तथा उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए अपने सभी सपनों और खुशियों का त्याग कर देता है।

कहानी में नया मोड़ तब आता है जब विश्व चैंपियन जॉन राइट भारतीय युवाओं को ज़ीरो कहकर चुनौती देता है। पंजाब की आन-बान और शान की रक्षा के लिए रणवीर बॉक्सिंग रिंग में उतरता है। शुरुआती दौर में बुरी तरह घायल होने के बावजूद वह हार नहीं मानता और अपने भाई-बहनों की आवाज सुनकर दोबारा खड़ा होता है। अंततः वह विश्व चैंपियन को नॉकआउट कर यह साबित कर देता है कि पंजाब की मिट्टी में अदम्य साहस और जज़्बा बसता है।

इसके बाद रणवीर कॉलेज राजनीति में प्रवेश करता है, जहां उसका सामना सत्ता के संरक्षण में चल रहे ड्रग्स और अपराध के नेटवर्क से होता है। वह छात्र राजनीति के माध्यम से भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देता है और पंजाब को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लेता है। यहां तक कि वह अपने व्यक्तिगत प्रेम को भी अपने मिशन के आगे महत्व नहीं देता। फिल्म का सबसे भावुक और चौंकाने वाला मोड़ तब आता है जब राजनीतिक साजिश के तहत रणवीर पर जानलेवा हमला करवाया जाता है। पूरे पंजाब में उसकी सलामती के लिए दुआएं की जाती हैं और जनता उसे केसरी की उपाधि देती है। इसी दौरान यह खुलासा होता है कि जिन चार बच्चों के लिए उसने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, वे उसके सगे भाई-बहन नहीं बल्कि उसके पड़ोसियों के बच्चे थे, जिनके माता-पिता की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। कहानी के अंतिम चरण में रणवीर मौत को मात देकर वापसी करता है और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ देता है। हालांकि इस संघर्ष में उसका छोटा भाई साहिल कौशल अपने बड़े भाई की रक्षा के लिए स्वयं का बलिदान दे देता है। भाई की शहादत को अपनी ताकत बनाकर रणवीर राजनीति में प्रवेश करता है, चुनाव जीतता है और भ्रष्टाचार-मुक्त नवा पंजाब की नींव रखता है। फिल्म में साहिल कौशल का रोल भी नौजवानों को देश प्रति कुर्बान होने का जज्बा पैदा करेगा

फिल्म का संदेश स्पष्ट है कि यदि निस्वार्थ भावना, दृढ़ इच्छाशक्ति और समाज के प्रति समर्पण हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरे सिस्टम को बदलने की ताकत रखता है। नवा पंजाब केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि त्याग, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायक गाथा है।

मई में 118 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निसान ने लगातार तीसरे महीने घरेलू बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- निसान मोटर इंडिया ने आज मई, 2026 की अपनी सेल्स परफॉर्मेंस की जानकारी दी। मई में कंपनी की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर 118 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। बीते महीने कंपनी ने घरेलू बाजार में कुल 2,948 यूनिट्स की बिक्री की।

इसी दौरान 5ए023 कारों का निर्यात किया गया, जिससे कंपनी की कुल बिक्री 7,971 यूनिट्स की रही। निसान मोटर इंडिया ने सालाना आधार पर लगातार तीसरे महीने घरेलू बिक्री में बढ़त दर्ज की है। इससे भारतीय बाजार में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है।

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, लगातार तीसरे महीने घरेलू बिक्री में बढ़ोतरी निसान के प्रोडक्ट्स में ग्राहकों के भरोसे की उत्साहजनक तस्वीर दिखाने वाली है। निसान मैग्नाइट की मजबूती के साथ-साथ ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया और सीएनजी विकल्प को अपनाने की गति को देखते हुए भारत में अपनी रणनीति को लेकर हम उत्साहित हैं।

ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट को लेकर बाजार से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के साथ भारत में निसान की लाइन-अप में ग्राहकों की रुचि लगातार बनी हुई है। भारत में निसान के सफर में नई निसान मैग्नाइट लगातार एक मजबूत स्तंभ बनी हुई है।

कांग्रेस द्वारा नीट पेपर लीक और सीबीएसई की खराब व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) - आज सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी होशियारपुर के प्रधान दलजीत सिंह गिलजिया की अगुवाई में नीट पेपर लीक और सीबीएसई में फैली अव्यवस्था और खराब व्यवस्था के विरोध में विशाल रोष मार्च निकाला।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला भी फूंका और शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग भी की। धरने को संबोधित करते हुए दलजीत गिलजिया सीनियर ने कहा कि देशभर से 22 लाख छात्रों ने नीट की परीक्षा दी थी, लेकिन बाद में यह सामने आया कि परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो गया था। उन्होंने कहा कि यह दूसरी बार हुआ है, जब नीट का पेपर फिर लीक हुआ है, लेकिन इस मामले में कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री संगत सिंह गिलजिया ने मांग की कि बार-बार नीट परीक्षाएं कराने में विफल रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग किया जाए और नीट परीक्षाओं के लिए एक भरोसेमंद और पारदर्शी प्रणाली बनाई जाए, क्योंकि यह देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा मामला है।

फसल के अवशेष जलाने के रुझान को रोकने के लिए डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी ने किया गांवों का तूफानी दौरा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

02 जून (संदीप सन्नी)

फसल के अवशेष (गेहूं की नाड़) जलाने की प्रथा को पूरी तरह रोकने और पर्यावरण संरक्षण के लिए डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल और एसएसपी आदित्य द्वारा जिले के विभिन्न गांवों का विशेष दौरा किया गया। इस दौरे के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने अपनी मौजूदगी में खेतों में लगी आग को फायर ब्रिगेड, सिविल और पुलिस विभाग की टीमों के सहयोग से मौके पर ही बुझवाया। इस अवसर पर उनके मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. रणधीर ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

डीसी ने खुद रुकवाई गाड़ी, खेतों में जाकर बुझवाई आग : डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल जब ब्लॉक काहूवान के विभिन्न गांवों-कोट धंदल, गोत, भिट्टेविंड, जागोवाल बांगर, कीड़ी और नैनेकोट का दौरा कर रहे थे, तो उन्होंने रास्ते में कुछ खेतों में आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और खुद खेत में गए। उन्होंने मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड, सिविल और पुलिस की टीमों को निर्देश देकर आग पर काबू पाया। इस मौके पर बातचीत करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि सिविल और पुलिस विभाग सहित पूरा जिला प्रशासन गांव-गांव जाकर किसानों से व्यक्तिगत रूप से मिल रहा है और उन्हें गेहूं की फसल के अवशेष न जलाने की अपील कर रहा है। उन्होंने कहा कि नाड़ जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए वे खुद फील्ड में उतरे हैं। रविवार की छुट्टी होने के बावजूद जिले के सभी एसडीएम, डीएसपी, क्लस्टर अधिकारी, नोडल अधिकारी और कृषि विभाग के अधिकारी फील्ड में मुस्तैद रहे, ताकि आग लगाने के रुझान को सख्ती से रोका जा सके।

सराहनीय कार्य करने वाले किसान बनेंगे वातावरण के रखवाले : डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि जिले के अधिकांश गांवों में प्रगतिशील किसान हैं, जिन्होंने पिछले कई वर्षों से फसल के अवशेषों को आग नहीं लगाई है। ये किसान अन्य भाइयों को भी इसके फायदों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। जिला प्रशासन ऐसे पर्यावरण-हितैषी किसानों को वातावरण के रखवाले प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित कर रहा है। प्रशासन समाज भलाई और पर्यावरण को साफ रखने वाले हर किसान के साथ मजबूती से खड़ा है।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी सख्त कानूनी कार्रवाई : उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने, धरती की उपजाऊ शक्ति को बरकरार रखने और मानवता की भलाई के लिए सहयोग करें। डीसी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसानों को हरसंभव तकनीकी सहयोग दे रहा है, लेकिन यदि इसके बावजूद खेतों में आग लगाई जाती है, तो सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की हिदायतों के तहत मजबूरन सख्त कानूनी कार्रवाई और चालान अमल में लाए जाएंगे।

एसएसपी की अपील- धुएं के कारण बढ़ रहे हैं सड़क हादसे : इस मौके पर एसएसपी गुरदासपुर, आदित्य ने कहा कि जिले में पुलिस और सिविल प्रशासन द्वारा लगातार सैटेलाइट और जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने किसानों से कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार ही खेती करने की अपील की।

एसएसपी ने नाड़ जलाने के नुकसान गिनाते हुए कहा कि आग लगाने से जमीन की उपजाऊ शक्ति नष्ट होती है, पर्यावरण दूषित होता है और धुएं के कारण भीषण सड़क हादसे होते हैं। इसके अलावा सड़कों के किनारे लगे हरे-भरे पेड़-पौधे झुलस जाते हैं और कई बेजुबान पक्षियों व जीवों की जान चली जाती है। इसलिए गुरदासपुर पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि वे मानवता की भलाई और सुरक्षित पर्यावरण के लिए प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज़

धर्मशाला में नगर निगम और बीडीसी चुनावों में भाजपा का दबदबा

कांग्रेस को झटका, 17 में 11 वार्ड और 18 में 14 सीटें भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के नाम

धर्मशाला (एएम नाथ)- धर्मशाला में नगर निगम और ब्लॉक समिति (बीडीसी) चुनावों के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने मजबूत प्रदर्शन किया है। नगर निगम धर्मशाला के 17 वार्डों में से 11 पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है, जबकि ब्लॉक समिति के 18 सदस्यों में से 14 सीटों पर भाजपा समर्थित प्रतिनिधि विजयी हुए हैं।

इन नतीजों के बाद क्षेत्र में भाजपा का दबदबा स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, जबकि कांग्रेस पार्टी को दोनों स्तरों पर करारी हार का सामना करना पड़ा है। परिणामों से संकेत मिलता है कि धर्मशाला की जनता ने विकास, सुशासन और संगठनात्मक मजबूती के पक्ष में मतदान किया है।

भाजपा नेताओं का कहना है कि यह जीत संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता सुधीर शर्मा के नेतृत्व और रणनीति को भी इस सफलता से जोड़ा जा रहा है। इन परिणामों को आगामी स्थानीय विकास कार्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

धर्मशाला में विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, सुसाइड नोट से सनसनी

धर्मशाला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। महिला का शव फंदे से लटका हुआ बरामद किया गया है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मृतका के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मामला जिला मुख्यालय धर्मशाला के दाड़ी का है। मृतक महिला की पहचान 45 वर्षीय पलोमा कार्की (निवासी दाड़ी) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पलोमा का अपने ससुराल पक्ष के साथ विवाद चल रहा था, जिसके कारण वह अपने पति से अलग पिता के घर (मायके) में रह रही थी। मंगलवार सुबह महिला का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस को मृतका के कमरे से जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें उसने अपनी इस मानसिक स्थिति और आत्मघाती कदम के लिए अपने पति और सास की प्रताड़नाओं को जिम्मेदार ठहराया है।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल पाएगा। थाना प्रभारी नारायण सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए महिला के कमरे से सुसाइड नोट मिला है।

सोलन रॉड-गंडासा हमला मामले में 3 और आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी और वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई, अब तक 4 आरोपी पुलिस हिरासत में

सोलन (एएम नाथ)- सोलन के काली माता मंदिर क्षेत्र में 31 मई को मामूली वाहन टक्कर के बाद हुए रॉड-गंडासा हमला मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। मुख्य आरोपी चिराग वर्मा पहले से ही पुलिस रिमांड पर है।

थाना सदर सोलन की टीम ने सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान की। इसके बाद 1 जून को मृत्युंजय वशिष्ठ, रुद्र ठाकुर और शिवसागर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। जांच एजेंसियां हमले के विभिन्न पहलुओं को लेकर आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं। साथ ही उनके संभावित आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है।

शुरुआत में ही हांफ गई शराब का ठेका चलाने वाली तेलंगाना की कंपनी : जयराम ठाकुर

आबकारी विभाग को अपने व्यवस्था परिवर्तन की प्रयोगशाला बनाकर प्रदेश को पहुंचा रहे नुकसान

» प्रथम न्यूज । मंडी

02 जून (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि व्यवस्था परिवर्तन का राग अलापने वाली सुक्खू सरकार अपने दावे के अनुरूप आबकारी राजस्व में वृद्धि नहीं कर पाई है। आलम ये है कि जिन कंपनियों को शराब के यूनिट दिए गए हैं वो लाइसेंस फीस तक नहीं जमा कर पाये और विभाग को इनके ठेके सील करने पड़ रहे हैं। मंडी से जारी प्रेस बयान में उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि कुल्लू-लाहौल और पांगी में शराब का ठेका चलाने का काम कांग्रेस शासित तेलंगाना की कंपनी को दिया गया था, लेकिन नियमों में फेर-बदल करके हिमाचल के सर्वाधिक पर्यटकों की आमद वाले कुल्लू-लाहौल-पांगी क्षेत्र के ठेकों को एक ही यूनिट के रूप में नीलाम किया गया और बेस प्राइस से मात्र एक लाख रुपए अधिक की बोली लगाकर एपीटको ने यह नीलामी अपने नाम की थी, मगर यह कंपनी शुरुआत में ही हांफ गई है और मई महीने की 15 करोड़ रुपए की लाइसेंस फीस न चुकाने के कारण प्रशासन द्वारा शराब के ठेके सील कर दिए गए हैं, जिससे साफ है कि जब टूरिस्ट सीजन के चरम पर यह स्थिति है तो आने वाले समय में कितनी भयावह स्थिति बनेगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इसके पहले भी हिमाचल प्रदेश में नगर निगम समेत विभिन्न निगमों और बोर्ड्स से मुख्यमंत्री ने शराब बिकवाकर उनका करोड़ों का घाटा करवाया है और अब वे आबकारी विभाग को अपने व्यवस्था परिवर्तन की प्रयोगशाला बनाकर प्रदेश के राजस्व को भारी चपत लगा रहे हैं क्योंकि जमीनी हकीकत और डॉक्युमेंटेड आंकड़े बताते हैं कि राज्य सरकार राजस्व बढ़ाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सत्ता में आते ही विधानसभा से लेकर सार्वजनिक मंचों से बड़े-बड़े दावे किए थे कि उनकी सरकार ने पहले ही वर्ष में आबकारी राजस्व में 40% की वृद्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री के बाकी दावों की तरह यह दावा पूरी तरह झूठा निकला। सुक्खू सरकार के पहले साल के बाद आबकारी राजस्व का आंकड़ा दहाई की वृद्धि भी हासिल नहीं कर पाया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार सुक्खू सरकार के कार्यकाल के दूसरे साल 2024-25 में आबकारी राजस्व महज 0.22% की वृद्धि हुई। वर्ष 2025-26 में 7.2% वृद्धि हुई। वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान में भी मात्र 9.74% वृद्धि ही आंकी गई है। जबकि पूर्व की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कोविड जैसी वैश्विक महामारी और देशव्यापी आर्थिक मंदी के बावजूद आबकारी राजस्व में वर्ष 2018-19 में लगभग 13.04% वृद्धि, वर्ष 2019-20 में 12.1%, वर्ष 2021-22 में 23.8% और वर्ष 2022-23 में 11.9% वृद्धि हुई। लेकिन वर्तमान सुक्खू सरकार के गलत फैसलों, चहेती बाहरी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने की नीतियों और प्रशासनिक नाकामी के कारण आज प्रदेश का खजाना खाली हो रहा है और राजस्व बढ़ने के बजाय सरकारी राजस्व को निरंतर भारी आर्थिक चपत लग रही है, जिसके चलते झूठ बोलने में माहिर सुक्खू जी को अब प्रदेश की जनता को जवाब देना ही होगा कि जिस वित्तीय फायदे की गारंटी उन्होंने दी थी, वह लाभ आखिर कहां गायब हो गया है।

मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री अपने आवास तांदी में दिनभर पंचायत चुनाव में जीतकर आये जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनसे चर्चा कर उन्हें आगामी कामकाज के लिये शुभकामनाएं दी।

19 जून को बालटाल के लिए रवाना होगा शेड

» प्रथम न्यूज । बद्दी

02 जून (तारा)

शिव गौरी सिद्ध सेवा मंडल की ओर से अमरनाथ यात्रा के दौरान बालटाल में लगने वाले भंडारे की पहला जत्था 19 जून को रवाना होगा। अमर नाथ यात्रा इस वर्ष 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चालू रहेगी।

मंगलवार को सेवा मंडल की बद्दी में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष राम लोक चौधरी ने बताया कि हर वर्ष की भांत इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा के दौरान बालटाल में बद्दी के लोगों की ओर से भंडारा लगाया जाएगा। संस्था की ओर से पहला ग्रुप 19 जून को रवाना होगा। तीन ट्रको में शेड व खाने पीने का सामान जाएगा। इस वर्ष यात्रियों को पहले अधिक सुविधाएं देने की योजना बनाई है। शौचालयों की संख्या बढ़ा कर पांच कर दी गई है। इसके अलावा पहले की तर्ज पर भोजन की व्यवस्था की गई है।

बैठक में फैसला लिया गया है कि 19 जून को उद्योग पति मनोज अग्रवाल पहले जत्थे को रवाना करेंगे। बैठक में रामलोक चौधरी के अलावा तरक्की लाल कौशल, मनोज कौशल, श्याम लाल, अमीचंद चौहान, दीवान चंद, जसपाल गर्ग, रामलाल ठाकुर, रविंद्र शर्मा, दर्शन सिंह उपस्थित रहे।

धौलाधार स्कूल की छात्रा अमानत कौर नवोदय विद्यालय के लिए चयनित

बीबीएन, 2 जून (तारा) - धौलाधार पब्लिक स्कूल सतीवाला की छात्रा अमानत कौर ने जवाहर नवोदय की परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरे इलाके में स्कूल तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। शिक्षिका सरला मेहता ने बताया कि विद्यालय की अमानत कौर सपुत्री श्री लखविंदर सिंह ने नवोदय स्कूल की छठी कक्षा में प्रवेश की परीक्षा उतीर्ण की है उसे जवाहर नवोदय विद्यालय कुनिहार में प्रवेश मिला है। अमानत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने अध्यापक आदित्य मेहता और अपने टीचरों तथा माता पिता को दिया है। स्कूल की प्रधानाचार्या अनीता गुप्ता ने अमानत को इस उपलब्धि पर बहुत-बहुत बधाई देते हुए सभी बच्चों को अपनी नियमित पढ़ाई के साथ इसी तरह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करके हेतु प्रेरित किया। अमानत को इस उपलब्धि पर विद्यालय की तरफ से प्रिंसीपल द्वारा सम्मानित किया गया।

चूड़धार में ईमानदारी की मिसाल, 5 लाख के गहनों से भरा पर्स मालिक को लौटाया

» प्रथम न्यूज । शिमला

02 जून (एएम नाथ)

चूड़धार धाम में ईमानदारी की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। चूड़धार मंदिर के सेवादार एवं शिरगुल महाराज के पुजारी पंडित दीप राम शर्मा ने लगभग पांच लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषणों और 7,910 रुपये नकद से भरा पर्स उसके वास्तविक मालिक तक सुरक्षित पहुंचाया। शनिवार को मंदिर परिसर के समीप मिला पर्स किसी पहचान पत्र के बिना था, जिससे मालिक का पता लगाना चुनौतीपूर्ण था।

पंडित दीप राम शर्मा ने तीन दिनों तक पर्स को सुरक्षित रखा और केवल सही विवरण देने वाले व्यक्ति को ही सौंपने का निर्णय लिया। मंदिर प्रबंधन और सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना प्रसारित की गई। जांच-पड़ताल के बाद पर्स उत्तराखंड के विकासनगर निवासी रीना शर्मा का निकला। महिला ने पर्स में रखे सामान का सटीक विवरण दिया, जिसके बाद उनके रिश्तेदार को विधिवत पर्स सौंप दिया गया।

खोया हुआ सामान सुरक्षित मिलने पर परिवार ने मंदिर प्रबंधन और पुजारी का आभार जताया। इस घटना ने श्रद्धालुओं के बीच ईमानदारी और मानवता के प्रति विश्वास को और मजबूत किया है।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही समावेशी एवं दीर्घकालिक विकास का आधार - विक्रमादित्य सिंह

» प्रथम न्यूज । सोलन

02 जून (बी शर्मा)

लोक निर्माण तथा शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही समावेशी एवं दीर्घकालिक विकास का आधार है। विक्रमादित्य सिंह आज सोलन के प्रतिष्ठित दी लारेंस स्कूल, सनावर के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि दी लारेंस स्कूल, सनावर को पठन-पाठन की समृद्ध विरासत के लिए जाना जाता है और यहां के छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए आशा जताई कि भविष्य में सभी छात्र अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के नए प्रतिमान स्थापित करेंगे।

लोक निर्माण मन्त्री ने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश देश के सर्वाधिक साक्षर राज्यों में से एक है। इसका श्रेय जहां हिमाचल निर्माता एवं प्रदेश के प्रथम मुख्यमन्त्री स्वर्गीय डॉ. यशवंत सिंह परमार की दूरगामी सोच को जाता है वहीं प्रदेश में समय-समय पर रहे नेतृत्व ने हिमाचल को आदर्श एवं समृद्ध राज्य बनाने के लिए अथक प्रयास किए हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह ने विकास के सभी मानकों पर जिस आदर्श हिमाचल की परिकल्पना की थी, वह लोक निर्माण मन्त्री के रूप में उस परिकल्पना को पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

शहरी विकास मन्त्री ने छात्रों से आग्रह किया कि वह जीवन में अपना लक्ष्य प्राप्त करने के साथ-साथ समाज सेवा को अपना ध्येय बनाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह जहां विद्यार्थियों को सशक्त मंच प्रदान करने में अहम है वहीं यहां छात्रों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर भी मिलता है।

विक्रमादित्य सिंह ने इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया। विद्यालय की हेड मास्टर रुचि प्रधान दत्ता ने मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत किया।

इस अवसर पर विक्रमादित्य सिंह की धर्म पत्नी डॉ. अमरीन सेखों, प्रदेश कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव विकास काल्टा एवं अन्य पदाधिकारी, विद्यालय के अध्यापक, छात्र तथा अभिभावक इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार सड़कों का नेटवर्क बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरतः विक्रमादित्य सिंह

» प्रथम न्यूज । शिमला

02 जून (बी.शर्मा)

विकास की जीवन रेखाएं हैं और प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक विकास के लाभ पहुंचाने के लिए सड़कों का नेटवर्क बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। विक्रमादित्य सिंह आज सोलन के कसौली उपमण्डल में काणों के समीप धर्मपुर-सुबाथू-कठनी मार्ग के कार्य का निरीक्षण कर रहे थे।उन्होंने प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन 13 किलोमीटर लम्बे धर्मपुर-कठनी सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण कार्य के लिए लगभग 19 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। लोक निर्माण मन्त्री ने कहा कि इस सड़क का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष कार्य 30 सितंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि धर्मपुर-कठनी सड़क जहां आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है वहीं इस क्षेत्र के किसानों की फसल को मण्डियों तक पंहुचाने में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने गढ़खल-कसौली को जोड़ने वाले फ्लाई ओवर ब्रिज का निरीक्षण भी किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस पुल के निर्माण पर 25.60 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से कसौली की तरफ जाने वाले वाहन निर्बाध आ-जा सकेंगे। यह पुल कसौली जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र में विशेष रूप से सहायक बनेगा। कसौली के विधायक विनोद सुल्तानपुरी, कांग्रेस मण्डल कसौली के अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, अन्य पदाधिकारी, उपमंडलाधिकारी कसौली महेंद्र प्रताप सिंह, लोक निर्माण वृत्त सोलन के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग कसौली गुरमिंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

जाइका परियोजना के तहत छकोह में टमाटर फसल का किया निरीक्षण

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

02 जून (जितेंद्र गौतम)

हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना (एचपीसीडीपी-चरण-2) के अंतर्गत जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जाइका) के सहयोग से संचालित गतिविधियों के तहत खंड परियोजना प्रबंधन इकाई, बिलासपुर के अधिकारियों ने ग्राम छकोह का दौरा कर टमाटर उत्पादक किसानों के खेतों का निरीक्षण किया तथा फसल की वर्तमान स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। परियोजना क्षेत्र में लगभग 30 किसानों द्वारा 30 बीघा भूमि पर टमाटर की व्यावसायिक खेती की जा रही है, जो क्षेत्र में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

निरीक्षण के दौरान खंड परियोजना प्रबंधक पवन कुमार तथा कृषि प्रसार अधिकारी मोहित नायक ने किसानों के साथ खेतों में जाकर टमाटर फसल की वृद्धि, पौधों के स्वास्थ्य, उत्पादन क्षमता तथा फसल प्रबंधन गतिविधियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर किसान राम रतन, चमेल सिंह सहित अन्य टमाटर उत्पादक किसान भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों से खेती के अनुभवों, उत्पादन संबंधी चुनौतियों तथा बाजार की संभावनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की।

पवन कुमार ने किसानों को टमाटर फसल में लगने वाले विभिन्न कीटों एवं रोगों की समय पर पहचान और उनके प्रभावी नियंत्रण के उपायों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नियमित निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन से फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम), संतुलित उर्वरक उपयोग तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी उपाय अपनाने की सलाह दी, ताकि गुणवत्तापूर्ण उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि टमाटर जैसी नगदी फसलों में निराई-गुड़ाई, समयबद्ध सिंचाई, पौधों को सहारा देने के लिए स्टेकिंग तथा अन्य वैज्ञानिक कृषि तकनीकों का विशेष महत्व है। इन उपायों को अपनाने से न केवल उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि फसल की गुणवत्ता बेहतर होने से किसानों को बाजार में अच्छे दाम भी प्राप्त होते हैं।

अधिकारियों ने किसानों को परियोजना के माध्यम से उपलब्ध तकनीकी सहायता एवं कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना के तहत किए जा रहे प्रयास क्षेत्र में सब्जी उत्पादन को नई दिशा देंगे तथा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस दौरान किसानों ने भी अपनी समस्याओं एवं अनुभवों को अधिकारियों के साथ साझा किया, जिन पर उन्हें आवश्यक तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया। किसानों ने परियोजना के माध्यम से मिल रहे मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उन्हें वैज्ञानिक ढंग से खेती करने और बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिल रही है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

जेईई एडवांस्ड 2026 के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)– चंडीगढ़ के जेईई एडवांस्ड 2026 में क्वालीफाई हुए 35 छात्रों को मंगलवार को आकाश एजुकेशन, चंडीगढ़ सेंटर में सम्मानित किया गया।

आकाश सेंटर के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में, ईशान गोयल ने 272 अंकों के साथ एआईआर 113 हासिल की । सार्थक गौतम ने 210 अंकों के साथ एआईआर 992, आरव सिंह एआईआर 2448 और 179 अंक, भरत मलिक एआईआर 2512 और 178 अंक और अर्शप्रीत सिंह ने एआईआर 2533 और 178 अंक प्राप्त किये । अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वालों में अमितोज तुर्का एआईआर 3293, महित सिंगला एआईआर 4164, अजय प्रताप सिंह एआईआर 4500, अनमोल वर्मा एआईआर 4708 और समर सिंगला एआईआर 5243 शामिल हैं। छात्रों के अनुसार, उन्हें अपनी तैयारी के दौरान निरंतर मार्गदर्शन, शैक्षणिक सहायता और मेंटरशिप प्राप्त हुई। छात्रों ने कहा, अध्ययन सामग्री, कक्षा सत्र, मॉक टेस्ट और नियमित मूल्यांकन ने हमें अपनी अवधारणाओं को मजबूत करने और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद की।उन्होंने आगे कहा, शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

छात्रों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए, डिप्टी रीजनल डायरेक्टर –आकाश एजुकेशनल, जसदीप सिंह बाबरा ने कहा, जेईई एडवांस्ड 2026 में अपने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हमें बेहद गर्व है। उनकी सफलता अटूट समर्पण, अनुशासित तैयारी और उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रबल इच्छा का परिणाम है।

स्वास्थ्य विभाग पिहोवा द्वारा एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम की शुरुआत

पिहोवा 2 जून (मुकेश डोलिया) प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीषा सिंह ने बताया कि एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं, किशोरियों, और सभी बच्चों तथा बुजुर्गों का हीमोग्लोबिन जांच किया जाएगा। एनीमिक गर्भवती महिलाओं के लिए आयरन, सुक्रोज के इंजेक्शन सब डिविजनल अस्पताल पिहोवा में उपलब्ध हैं सभी लाभार्थियों को नियमित रूप से लगाए जा रहे हैं। इस मौके पर छोटे बच्चों के लिए आयरन सिरप आशा वर्कर्स द्वारा घर-घर जाकर उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 5 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए 5 लाख पिंक टैबलेट्स ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचा दी गई हैं।

गुरु गोरखनाथ धाम पहुंचे हैप्पी बाबा जी, महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने किया स्वागत

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) – गोगामेड़ी छपार पंजाब वाले हैप्पी बाबा जी ने गुरु गोरखनाथ धाम पहुंचकर गुरु गोरखनाथ महाराज जी के चरणों में श्रद्धापूर्वक नतमस्तक होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने धाम की पावन समाधि स्थल पर भी माथा टेककर श्रद्धा व्यक्त की तथा समस्त श्रद्धालुओं के सुख, शांति एवं कल्याण की कामना की।

गुरु गोरखनाथ धाम पहुंचने पर धाम के महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने हैप्पी बाबा जी का स्वागत किया। उन्होंने पुष्प अर्पित कर उनका सम्मान किया तथा धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज ने हैप्पी बाबा जी को गुरु गोरखनाथ महाराज के जीवन, उनकी शिक्षाओं, योग साधना, नाथ संप्रदाय की गौरवशाली परंपरा एवं इतिहास के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरु गोरखनाथ जी ने समाज में आध्यात्मिक जागृति, मानव सेवा, सदाचार और राष्ट्र कल्याण का संदेश दिया था। उनकी शिक्षाएं आज भी लाखों श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

हैप्पी बाबा जी ने कहा कि गुरु गोरखनाथ धाम में आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने धाम की धार्मिक परंपराओं और यहां के आध्यात्मिक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे पवित्र स्थलों से समाज को सकारात्मक दिशा और संस्कार प्राप्त होते हैं।

हैप्पी बाबा जी ने गुरु गोरखनाथ महाराज जी के दर्शन कर नियमित रूप से नतमस्तक होने का संकल्प भी व्यक्त किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी गुरु गोरखनाथ जी के जयकारों के साथ धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर धाम से जुड़े श्रद्धालु, भक्तगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने गुरु गोरखनाथ महाराज जी की महिमा का गुणगान करते हुए समाज में धर्म, सेवा और सद्भावना के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस वर्ष हरियाणा में अनाज भंडारण के लिए 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के नए गोदाम बनाए जाएंगे: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के तहत खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक में दिए विस्तृत दिशा-निर्देश

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
02 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान द्वारा मेहनत से उगाए गए अनाज को खराब होने से बचाने के लिए हरियाणा में अनाज भंडारण की समुचित व्यवस्था की जाएगी। इसके अंतर्गत इस साल हरियाणा में 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के नए गोदाम बनाए जाएंगे जिसके लिए अधिकारी पूरी तैयारी करके लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में जुट जाएं।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन ने बताया कि अनाज का खुले में भंडारण अथवा उचित भंडारण के अभाव के कारण प्रदेश में अनाज का 4 से 5 प्रतिशत तक नुकसान हो जाता है। इस नुकसान से बचने

के लिए कवर्ड स्टोरेज की व्यवस्था करनी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस समय प्रदेश में गेहूं का 115 लाख मीट्रिक टन, चावल का 71 लाख एमटी, फल व सब्जियों का 110 लाख एमटी तथा दूध व अन्य डेयरी उत्पादों का 115 लाख एमटी उत्पादन होता है। राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा में हरियाणा का योगदान लगभग 25 प्रतिशत है। इस समय हरियाणा में 66 लाख मीट्रिक टन अनाज भंडारण की क्षमता है जिसे 130 लाख एमटी तक बढ़ाने की आवश्यकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्यान्न के नुकसान पर रोक लगाने के लिए कवर्ड स्टोरेज के निर्माण, कोल्ड स्टोरेज की क्षमता बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों का उचित इस्तेमाल करने की कार्ययोजना बनाई जाए। सभी संबंधित विभागों के आपसी समन्वय के साथ इस वर्ष पीपीपी मोड में 20 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाने का लक्ष्य पूरा किया जाए ताकि अनाज को खराब होने से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनाज, बागवानी फसलों, सब्जियों तथा फलों के उचित भंडारण के लिए अगले 5 साल के भीतर एक ऐसी कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाएगा जिससे उत्पादित खाद्यान्न का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बने गोदामों को ऊर्जा उत्पादन का भी माध्यम बनाया जाए। सभी गोदामों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर इन्हें ग्रिड से जोड़ा जाए ताकि बिजली का उत्पादन बढ़ाया जा सके। इसी प्रकार मंडियों व गोदामों में मजदूर की पीठ पर बोरी लादने की बजाय इस कार्य के लिए कन्वेयर बैल्ट अथवा अन्य तकनीकी व्यवस्था के लिए पायलेट प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन ने फसल के नुकसान पर रोक लगाने तथा मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभाग द्वारा अगले 5 वर्षों के दौरान किए जाने वाले कार्यों का खाका प्रस्तुत करते हुए बताया कि इससे 3000 से 5000 करोड़ रुपये के नुकसान को रोका जा सकेगा।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जे गणेशन, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी व स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल यादव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मनीमाजरा मुख्य बाजार में व्यापारियों द्वारा विशाल लंगर भंडारे का आयोजन; समाज की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
02 जून (पुनीत महाजन)

मनीमाजरा मुख्य बाजार के व्यापारियों और दुकानदारों द्वारा शर्मा ट्रेडर्स के पास पुलिया पर एक विशाल लंगर भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। भंडारे की शुरुआत से पूर्व खेड़ा मनीमाजरा मुख्य बाजार में सभी दुकानदारों और गणमान्य नागरिकों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद प्रसाद वितरण का कार्य शुरू हुआ। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरी-आलू की सब्जी और हलवे का स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया।

इस धार्मिक व सामाजिक कार्य को सफल बनाने में स्थानीय व्यापारियों का विशेष सहयोग रहा। सहयोग देने वाले मुख्य व्यवसायियों व प्रबुद्ध नागरिकों में ओमप्रकाश बुद्धिराजा, प्रदीप बागरा, महावीर शर्मा, जयनारायण शर्मा, ओमनारायण शर्मा, प्रवीन गुप्ता, संदीप बंसल, गजानंद ज्वैलर्स, आनन्द साइकिल, दिनेश गर्ग, काका बैग हाउस, नितिन कपुर, पन्ना स्वीट्स, राजीव गांधी और नंदा ट्रेडर्स प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भंडारे में विशेष अतिथि के रूप में ऑल मनीमाजरा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान एस.एस. परवाना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, हरीश कुमार और झूलेलाल ने विशेष तौर पर शिरकत की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने व्यापारियों के इस सांझा प्रयास की सराहना करते हुए समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य जनों और व्यापारियों ने परम पिता परमात्मा से देश, प्रदेश और विशेषकर हमारे चंडीगढ़-मनीमाजरा की सुख, शांति, आपसी सौहार्द और समृद्धि के लिए सामूहिक प्रार्थना की।

कैथल पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई जारी

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा नशा तस्कर व सप्लायर सहित 3 आरोपी काबू, 1 किलो 84 ग्राम चरस बरामद

» प्रथम न्यूज । कैथल
2 जून (कृष्ण गर्ग)

जिला पुलिस द्वारा एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी कड़ी में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 1 किलो 84 ग्राम चरस (सुल्फा) सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी से पूछताछ उपरांत त्वरित कार्रवाई दौरान चरस सप्लाई करने वाले दो आरोपियों को भी काबू कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई संजय कुमार अपनी टीम के साथ अपराध रोकथाम एवं चोरीशुदा वाहनों की जांच के संबंध में क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। गश्त के दौरान ब्रह्मानंद चौक पूंडरी पर एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई की गांव पाई निवासी राजू चरस बेचने का काम करता है तथा वह मोटरसाइकिल पर चरस लेने के लिए गांव करोडा गया हुआ है। वह कुछ ही समय में गांव करोडा से पाई की ओर आने वाला

था, जिसे नाकाबंदी करके चरस सहित काबू किया जा सकता है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस टीम द्वारा पाई-करोडा रोड पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय बाद गांव करोडा की ओर से एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी।

पुलिस टीम ने चालक को रुकने का इशारा किया तो उसने वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। बाइक चालक की पहचान पाई निवासी राजू के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी कलायत रोहताश कुमार के समक्ष नियमानुसार ली गई तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे में एक पॉलिथीन 1 किलो 84 ग्राम चरस बरामद हुई।

आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई राममेहर द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

आगामी पूछताछ दौरान खुलासा हुआ की आरोपी राजू को यह चरस बालाजी कॉलोनी कैथल निवासी बंटी तथा मानस रोड़ पट्टी कोथ गामड़ी कैथल निवासी मोनू राम द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी।

एएसआई राममेहर की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बंटी तथा मोनू राम को भी काबू कर लिया गया। सभी आरोपी अदालत में पेश किए गए, जहां से व्यापक पूछताछ के लिए आरोपी मोनू का 2 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया, जबकि आरोपी राजू व बंटी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

समाधान शिविर में एसडीएम अनुभव मेहता ने सुनी जनसमस्याएं, त्वरित निपटारे के दिए निर्देश

» प्रथम न्यूज । लाडवा
02 जून (बृज मोहन)

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें नागरिकों की शिकायतें सुनी और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध निपटान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ऐसे शिविर सरकार की जनहितकारी पहल का अहम हिस्सा हैं। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एसडीएम अनुभव मेहता ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

चंडीगढ़ के 22 गांवों में लाल डोरा से बाहर रहने वाले परिवारों को जल कनेक्शन देने की मांग, मेयर सौरभ जोशी ने प्रशासक से मांगी मंजूरी

पीने के पानी से कोई परिवार वंचित नहीं रहना चाहिए – मेयर सौरभ जोशी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
02 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ के 22 पूर्ववर्ती गांवों की लाल डोरा/फिरनी सीमा से बाहर रहने वाले हजारों परिवारों को मूलभूत नागरिक सुविधा उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक माननीय गुलाब चंद कटारिया जी से अस्थायी जल कनेक्शन प्रदान करने हेतु शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया है।

माननीय प्रशासक को भेजे गए विस्तृत पत्र में मेयर ने कहा कि स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है तथा किसी भी परिवार को इस बुनियादी सुविधा से वंचित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने बताया कि लाल डोरा सीमा से बाहर निवास कर रहे हजारों परिवार वर्षों से अधिकृत जल कनेक्शन न मिलने के कारण भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, दैनिक जीवन एवं जीवन स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मेयर सौरभ जोशी ने अवगत कराया कि यह प्रस्ताव 25 मार्च 2025 को आयोजित नगर निगम चंडीगढ़ की 347वीं जनरल हाउस

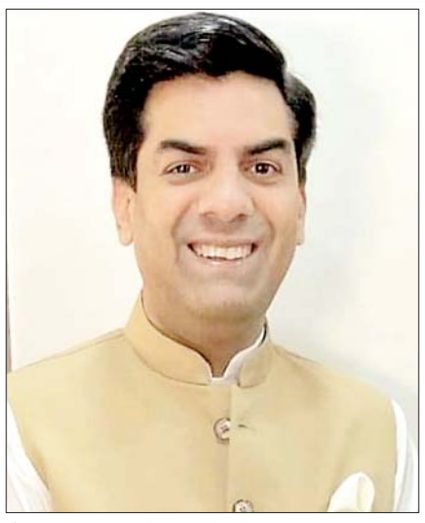

बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया गया था तथा बाद में इसे अनुमोदन हेतु चंडीगढ़ प्रशासन को भी भेजा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जल कनेक्शन पूर्णत: अस्थायी प्रकृति के होंगे तथा इससे किसी प्रकार का स्वामित्व अधिकार, नियमितीकरण का दावा अथवा कोई कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं होगा। यह व्यवस्था सक्षम न्यायालयों एवं चंडीगढ़ प्रशासन के निर्देशों के अधीन रहेगी।

मेयर ने आगे कहा कि लाभार्थियों को निर्धारित जल, सीवरेज एवं रखरखाव शुल्क का भुगतान करना होगा तथा किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में नगर निगम को ऐसे कनेक्शन तत्काल प्रभाव से विच्छेदित करने का अधिकार होगा।

इस प्रस्ताव पर मानवीय एवं जनहित के दृष्टिकोण से शीघ्र निर्णय लेने की अपील करते हुए श्री जोशी ने कहा कि इसकी मंजूरी मिलने से हजारों परिवारों को लंबे समय से प्रतीक्षित राहत मिलेगी तथा यह सुनिश्चित होगा कि केवल लाल डोरा सीमा से बाहर रहने के कारण कोई भी परिवार स्वच्छ पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा से वंचित न रहे।

मेयर सौरभ जोशी ने कहा, पेयजल कोई विशेष सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की मूलभूत आवश्यकता है। चंडीगढ़ के हर निवासी को इस आवश्यक सेवा का अधिकार है। मुझे आशा है कि चंडीगढ़ प्रशासन इस लंबे समय से लंबित जनहित के मुद्दे पर संवेदनशील एवं सकारात्मक निर्णय लेगा।

रेडक्रॉस चालक धर्मपाल की ईमानदारी बनी मिसाल, नकदी व जरूरी दस्तावेजों से भरा पर्स लौटाया

कुरुक्षेत्र 2 जून (बृज मोहन) आज के समय में ईमानदारी की मिसाल कायम कर रहें हैं। ऐसी ही एक मिसाल रेडक्रॉस सोसायटी में कार्यरत चालक धर्मपाल ने कायम की है।

गांव बिलौचपुर निवासी व वर्तमान में जिला रेडक्रास सोसायटी में चालक के पद पर कार्यरत धर्मपाल को न्यायालय परिसर के पीछे वाले क्षेत्र में एक पर्स गिरा हुआ मिला। जांच में पाया कि पर्स में नकदी व कुछ जरूरी कागजात थे। पैसों से भरा पर्स होने के बावजूद भी धर्मपाल का ईमान नहीं डगमगाया और उसने पर्स के बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं बताई।

धर्मपाल ने कहा कि पर्स से मिले कागजात से संबंधित का फोन नंबर और घर का एड्रेस लिया। उस नंबर पर बार-बार संपर्क किया, लेकिन फोन नंबर बंद होने के कारण संपर्क नहीं हो सका। फिर इसकी जानकारी जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह को दी। इस जानकारी में पता चला कि ये पर्स उनके पड़ोसी का है। उन्होंने कहा कि जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह ने उसके सामने ही पर्स मिलने की सूचना अपने पड़ोसी को दी। जवाब में पड़ोसी ने उन्हें पर्स अपने पास ही रखने को कहा और इसके साथ ही बताया कि पर्स में उसके कागजात थे, जिस कारण वो बहुत ही परेशान था और उसने इसकी सूचना पुलिस को देने का मन बना लिया था। पर्स मिलने के बाद वो बहुत ही खुश हुए।

सेक्टर-42 गर्ल्स कॉलेज के रिलीव आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने प्रिंसिपल से की मुलाकात, दो दिन में समाधान का आश्वासन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
02 जून (पुनीत महाजन)

गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स, सेक्टर-42 से रिलीव किए गए आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने सोमवार को कॉलेज की प्रिंसिपल बीनू डोगरा से मुलाकात कर अपनी बहाली, सेवा सुरक्षा तथा अन्य लंबित मुद्दों को उठाया।

कर्मचारियों के अनुसार, प्रिंसिपल ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त होने के बाद दो दिनों के भीतर स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। कर्मचारियों ने इस आश्वासन पर संदेह जताते हुए कहा कि उनका जेम पोर्टल के माध्यम से जारी टेंडर 1 जनवरी 2027 तक

वैध है, इसलिए उन्हें कार्यमुक्त किए जाने का कोई औचित्य नहीं बनता। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले अन्य सरकारी कॉलेजों, जैसे सेक्टर-11 और सेक्टर-46, में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवाएं जारी हैं। ऐसे में केवल सेक्टर-42 कॉलेज में कर्मचारियों को रिलीव किए जाने से भेदभाव और असमंजस की स्थिति पैदा हुई है।

फैडरेशन के प्रधान रंजीत मिश्रा ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग में हर वर्ष अनुमति लेने या आने की प्रक्रिया की आड़ में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण होता रहा है।

उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्ष भी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कर्मचारियों को रिलीव कर दिया गया था और फैडरेशन के धरना-प्रदर्शन के बाद लगभग चार महीने पश्चात उनकी बहाली हुई थी।

कर्मचारियों ने कहा कि अचानक कार्यमुक्त किए जाने से अनेक परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि कॉलेज प्रशासन पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल बहाल करे तथा भविष्य में उनकी नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

रंजीत मिश्रा ने कहा कि फैडरेशन फिलहाल प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रही है। यदि आगामी दो दिनों में कोई ठोस समाधान नहीं निकलता, तो कर्मचारियों को पिछले वर्ष की तरह पुन: आंदोलन और धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

आज का

संपादकीय

बेचैन युवा भारत की अभिव्यक्ति

भारतीय लोकतंत्र आज एक गहरे सामाजिक और राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यह परिवर्तन केवल संसद या चुनावी परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की मानसिक संरचना, संवाद की प्रकृति और जनमत निर्माण की प्रक्रिया तक फैल चुका है। आज राजनीतिक विमर्श का बड़ा हिस्सा इंटरनेट मीडिया पर आकार ले रहा है। जनमत अब पारंपरिक माध्यमों से आगे बढ़कर इंस्टाग्राम रील, यूट्यूब शार्ट्स, एक्स पोस्ट और वायरल मीम्स के जरिये निर्मित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में काकरोच जनता पार्टी जैसी अचानक उभरी लोकप्रियता को केवल डिजिटल ट्रेंड मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस बेचैन युवा भारत की अभिव्यक्ति है, जो स्वयं को लगातार उपेक्षित महसूस कर रहा है।

समाजशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए तो जब किसी समाज की मुख्य संस्थाएं-राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और मीडिया जनभावनाओं से दूरी बनाने लगती हैं, तब नए प्रतीक और नई राजनीतिक भाषाएं जन्म लेती हैं। कई बार ये प्रतीक व्यंग्य के रूप में सामने आते हैं, लेकिन इनके भीतर गहरी सामाजिक पीड़ा और असंतोष छिपा होता है। काकरोच जनता पार्टी इसी डिजिटल युग का एक ऐसा ही सांकेतिक प्रतिरोध है। काकरोच एक ऐसा जीव है, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रह जाता है। यह प्रतीक आज के उस युवा मानस को आकर्षित करता है, जो बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की अनिश्चितता, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक दबाव के बीच किसी तरह आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। दूसरी ओर, शिक्षित बेरोज़गारी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। आंकड़े लगातार यह संकेत देते हैं कि युवाओं में बेरोजगारी की दर औसत से अधिक बनी हुई है। लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाएं या तो विलंबित होती हैं या विवादों में उलझ जाती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे सामाजिक असंतोष का कारण बन रही है। आज का युवा केवल रोजगार नहीं चाहता, वह सम्मानजनक भागीदारी चाहता है। वह यह महसूस करना चाहता है कि लोकतंत्र में उसकी आवाज सुनी जा रही है, लेकिन जब उसे मंचों पर केवल औपचारिक आश्वासन और इंटरनेट मीडिया पर केवल प्रचार दिखाई देता है, तब वह अपनी अभिव्यक्ति के नए माध्यम खोजता है। वर्तमान चुनावी परिदृश्य में यह प्रवृत्ति और अधिक स्पष्ट हो गई है। चुनाव अब केवल मतदान केंद्रों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़े जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के डिजिटल अभियान, आइटी सेल और इंटरनेट मीडिया रणनीतियां जनमत निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इस डिजिटल राजनीति के बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न लगातार अनुत्तरित है-क्या हम वास्तव में युवा भारत की मूल चिंताओं को समझ पा रहे हैं? आज का युवा पहले की तरह केवल परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं से बंधा नहीं है। वह प्रश्न पूछता है, तुलना करता है, तथ्य जांचता है और तुरंत प्रतिक्रिया देता है। इंटरनेट मीडिया ने उसे अभूतपूर्व अभिव्यक्ति की शक्ति दी है। यह लोकतंत्र के विस्तार का भी संकेत है और उसकी नई चुनौती भी।

इंटरनेट मीडिया की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने लोकतंत्र को अधिक सहभागी बनाया है। छोटे शहरों और दूरदराज क्षेत्रों के युवा भी अब राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन रहे हैं। जो आवाजें पहले अनसुनी रह जाती थीं, वे अब सीधे लाखों लोगों तक पहुंच रही हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और सामाजिक अन्याय पर तुरंत प्रतिक्रिया संभव हुई है। यह लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी गंभीर है। इंटरनेट मीडिया ने राजनीति को अत्यधिक तात्कालिक और भावनात्मक बना दिया है।

जब संवाद कमजोर होता है, तब प्रतिरोध असामान्य रूप ले लेता है। इंटरनेट मीडिया युग में यह प्रवृत्ति और तेज हुई है, क्योंकि यहां प्रतिक्रिया तत्काल मिलती है, लेकिन समाधान नहीं। राजनीतिक दलों के लिए यह समय आत्ममंथन का है।

यदि युवा व्यंग्यात्मक प्रतीकों और डिजिटल आंदोलनों के माध्यम से अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति खोज रहा है तो यह संकेत है कि मुख्यधारा की राजनीति उसके विश्वास को पूरी तरह जीत नहीं पाई है।

पहचान चेहरे से नहीं कर्म से होती है

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

इतिहास गवाह है कि बड़ी पहचान कर्म से बनी है, चेहरे से नहीं। महात्मा गांधी को देखिए-न कोई राजसी ठाठ, न आकर्षक व्यक्तित्व। पर उनके सत्य और अहिंसा के कर्म ने उन्हें राष्ट्रपिता बना दिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का लिबास हमेशा सादा रहा, पर उनके कर्म और लगन ने उन्हें मिसाइल मैन और जनता का राष्ट्रपति बना दिया। मदर टेरेसा का चेहरा दुनिया के किसी सौंदर्य पैमाने पर खरा नहीं उतरता था, लेकिन सेवा का उनका कर्म आज भी करोड़ों लोगों की प्रेरणा है। दूसरी तरफ कितने ही सुंदर, शक्तिशाली और रसूखदार लोग समय के साथ भुला दिए गए, क्योंकि उनके कर्म में ईमानदारी नहीं थी। वक्त सबसे बड़ा कसौटी है और वह सिर्फ कर्म को याद रखता है।

समाज की सबसे बड़ी भूल यही है कि हम इंसान को उसके चेहरे, रंग, कपड़े और बोलचाल से तौलते हैं। पहली नजर में जो जितना चमके, उसे उतना ही सच्चा मान लेते हैं। शादी-ब्याह से लेकर नौकरी के इंटरव्यू तक, हम अक्सर बाहरी चमक को ही असली योग्यता समझ बैठते हैं। लेकिन वक्त की परख से गुजरने के बाद पता चलता है कि चमक हमेशा सोना नहीं होती। कई बार सोना मिट्टी में दबा रहता है और पीतल सिंहासन पर बैठा होता है।

चेहरा प्रकृति की देन है। किसी का गोरा, किसी का सांवला, किसी का सुंदर, किसी का साधारण। इस पर इंसान का बस नहीं चलता। जीन, माहौल, स्वास्थ्य-ये सब मिलकर चेहरा गढ़ते हैं। लेकिन कर्म पूरी तरह इंसान के हाथ में होता है। वही कर्म तय करता है कि वह समाज के लिए बोझ है या सहारा, भरोसे का नाम है या शक का कारण। चेहरा एक दिन उतर जाता है, कर्म की परछाई रह जाती है। देखा जाए तो दुनिया में सबसे ज्यादा धोखे अच्छे चेहरे ने दिए हैं। मीठी जुबान, सलीकेदार वेशभूषा, विनम्र व्यवहार-ये सब बाहर का आवरण है। अंदर नियत क्या है, यह तभी पता चलता है जब स्वार्थ टकराता है। संकट के समय, पैसे के लेन-देन में, सत्ता के पास पहुंचने पर असली चेहरा सामने आता है। तब पता चलता है कि जो हमेशा भाई-भाई कहता था, वही पीठ पीछे वार करने वाला निकला। इसलिए कहावत बनी-चेहरा गोरा, मन काला। इसके उलट ऐसे लोग भी मिलते हैं जिनका चेहरा साधारण होता है, बोलचाल में चमक नहीं होती, पर उनका कर्म बोलता है। गांव का वह शिक्षक जो बिना तनख्वाह के बच्चों को पढ़ाता है, मोहल्ले का वह दुकानदार जो उधार देकर भी हिसाब भूल जाता है, वह नर्स जो रात-रात भर मरीज के पास बैठती है। शुरुआत में लोग उन्हें नजरअंदाज करते हैं, लेकिन धीरे-धीरे वही लोग समाज की रीढ़ बन जाते हैं। क्योंकि भरोसा चेहरा नहीं जीतता, भरोसा कर्म जीतता है।

रोजमर्रा की जिंदगी में भी यही सच दिखता है। ऑफिस में सबसे चमकदार कपड़े पहनने वाला, मीठा बोलने वाला कर्मचारी अक्सर काम से जी चुराता है। जबकि जो कोने में चुपचाप बैठकर काम करता है, वही असली जिम्मेदारी उठाता है। राजनीति में भी यही होता है-जो सबसे ऊंची आवाज में भाषण देता है, जरूरी नहीं कि वह सबसे ज्यादा काम करे। दोस्ती में भी वही होता है-जो हर पार्टी में आगे रहता है, जरूरी नहीं कि वह मुसीबत में खड़ा मिले। लेकिन जो चुपचाप साथ निभाता है, वही अझसली दोस्त कहलाता है।

समस्या यह है कि हम पहली नजर को ही आखिरी फैसला मान लेते हैं। सोशल मीडिया ने इस भ्रम को और बढ़ा दिया है। फिल्टर लगे चेहरे, सजी हुई तस्वीरें, आकर्षक कैप्शन-इन सबको देखकर लोग रिश्ते बनाते हैं, भरोसा करते हैं। और जब असलियत सामने आती है तो कहते हैं धोखा हो गया। धोखा चेहरा नहीं देता, हमारी जल्दबाजी देती है। हम देखते कम हैं, दिखावे पर ज्यादा यकीन करते हैं।

इसलिए बड़ों ने कहा है-पहले तौलो, फिर बोलो। किसी को परखने के लिए समय दो, उसके कर्म देखो। वह मुसीबत में कैसा बरतता है, वह गैरमौजूदगी में तुम्हारे बारे में क्या कहता है, वह कमजोर के साथ कैसा व्यवहार करता है-यही असली कसौटी है। एक बार का व्यवहार धोखा दे सकता है, लेकिन बार-बार दोहराया गया कर्म झूठ नहीं बोलता।

चेहरे से पहचान बनाने में खतरा यह है कि हम अच्छे लोगों को खो देते हैं। जो शोर नहीं मचाता, जो दिखावा नहीं करता, वह भीड़ में खो जाता है। और जो शोर मचाता है, वह ध्यान खींच लेता है। नतीजा यह होता है कि समाज में सही लोगों को सम्मान नहीं मिलता और गलत लोग सिर पर बैठ जाते हैं। इससे समाज का मनोबल टूटता है। लोग सोचने लगते हैं कि ईमानदारी का कोई फायदा नहीं। कर्म की पहचान का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह स्थायी होती है। चेहरा बूढ़ा होता है, रंग बदलता है, ताकत घटती है। लेकिन किया हुआ भला और किया हुआ बुरा, दोनों याद रहते हैं। लोग भूल सकते हैं कि तुम कैसे दिखते थे, पर यह नहीं भूलते कि तुमने उनके साथ कैसा बर्ताव किया। यही कारण है कि कुछ नाम सदियों तक जिंदा रहते हैं, जबकि कई चेहरे कुछ सालों में मिट जाते हैं। इसलिए खुद से शुरुआत करो। अगर तुम चाहते हो कि लोग तुम्हें चेहरे से नहीं, कर्म से पहचानें, तो पहले अपने कर्म सुधारो। वादा करो तो निभाओ। गलती हो तो माफी मांगो। कमजोर को मत सताओ। पीठ पीछे किसी की बुराई मत करो। छोटे-छोटे कर्म ही हैं जो धीरे-धीरे तुम्हारी असली पहचान बनाते हैं। एक ईमानदार जवाब, एक समय पर दी गई मदद, एक बिना स्वार्थ की सलाह-ये सब मिलकर तुम्हारा असली चेहरा बनाते हैं। समाज को भी इस सोच को बदलना होगा। हमें बच्चों को सिखाना होगा कि स्कूल में सबसे ज्यादा नंबर लाने वाला ही नहीं, सबसे ज्यादा मदद करने वाला भी सम्मान का हकदार है। हमें पंचायतों, दफ्तरों और सार्वजनिक मंचों पर यह तय करना होगा कि पद और चेहरा नहीं, काम और ईमानदारी देखी जाएगी। मीडिया को भी चमकदार बहसों के साथ-साथ जमीनी काम करने वालों को जगह देनी होगी।

जब तक हम चेहरे के पीछे भागते रहेंगे, धोखे खाते रहेंगे। जब हम कर्म को कसौटी बनाएंगे, तो समाज में भरोसा लौटेगा। रिश्ते मजबूत होंगे, संस्थाएं टिकेंगी, और इंसानियत बचेगी। एक स्वस्थ समाज वही है जहां ईमानदार व्यक्ति को सिर झुकाने की जरूरत न पड़े और चालाक व्यक्ति को ताली न बजे।

आखिर में एक बात याद रखो-दर्पण चेहरा दिखाता है, लेकिन कर्म चरित्र दिखाता है। दर्पण कुछ देर में धुंधला हो जाता है, पर कर्म की छाप मिटती नहीं। समय का आइना कभी झूठ नहीं बोलता। वह हर इंसान को वही लौटाता है जो उसने बोया है। इसलिए अगली बार जब किसी से मिलो, तो यह मत पूछो कि वह कैसा दिखता है। यह पूछो कि उसने किया क्या है। क्योंकि पहचान चेहरे से नहीं, कर्म से होती है-और यही सच हमेशा जीतता है।

मेटा का पेड मॉडलः भारत पर असर और प्रतिक्रिया

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों में से एक लगातार अपने व्यवसाय मॉडल में बदलाव कर रही है। विज्ञापनों पर आधारित आय के साथ-साथ कंपनी अब अपने विभिन्न प्लेटफॉर्मों के पेड या सब्सक्रिप्शन आधारित संस्करणों को भी बढ़ावा दे रही है। यदि भविष्य में भारत में फेसबुक, इंस्टाग्राम या अन्य मेटा सेवाओं के पेड वर्जन को बड़े पैमाने पर लागू किया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल सोशल मीडिया उपयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था, विज्ञापन उद्योग, छोटे व्यवसायों, कंटेंट क्रिएटर्स और आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा सोशल मीडिया बाजार है, इसलिए यहां होने वाला कोई भी बदलाव वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जाएगा।

भारत में करोड़ों लोग फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग करते हैं। वर्तमान में अधिकांश उपयोगकर्ता इन सेवाओं का मुफ्त उपयोग करते हैं और इसके बदले उन्हें विज्ञापन दिखाई देते हैं। यदि मेटा पेड वर्जन को व्यापक रूप से लागू करता है, तो उपयोगकर्ताओं को विज्ञापन-मुक्त अनुभव, बेहतर गोपनीयता, अतिरिक्त फीचर्स और विशेष सेवाएं मिल सकती हैं। इससे उन लोगों को लाभ होगा जो सोशल मीडिया का पेशेवर या व्यावसायिक उपयोग करते हैं और बेहतर अनुभव के लिए भुगतान करने को तैयार हैं। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में ऐसे उपयोगकर्ता भी हैं जो सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन और संवाद के साधन के रूप में देखते हैं तथा इसके लिए अतिरिक्त खर्च नहीं करना चाहेंगे।

विशाल कल्याण

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था पर इसका मिश्रित प्रभाव पड़ सकता है। यदि बड़ी संख्या में लोग पेड वर्जन अपनाते हैं, तो मेटा की आय के नए स्रोत विकसित होंगे और कंपनी भारतीय बाजार में अधिक निवेश कर सकती है। इससे डिजिटल सेवाओं, डेटा प्रबंधन और नई तकनीकों के विकास को प्रोत्साहन मिल सकता है। हालांकि, भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में अधिकांश लोग मुफ्त सेवाओं को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में पेड मॉडल की सफलता सीमित रह सकती है और कंपनी को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कम कीमत वाले प्लान लाने पड़ सकते हैं।

भारत के छोटे और मध्यम व्यवसायों पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। वर्तमान में लाखों व्यापारी फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने उत्पादों का प्रचार करते हैं। यदि पेड वर्जन के कारण विज्ञापन देखने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या कम होती है, तो व्यवसायों को अपनी डिजिटल मार्केटिंग रणनीति बदलनी पड़ सकती है। दूसरी ओर, यदि पेड उपयोगकर्ता अधिक सक्रिय और खरीदारी के प्रति अधिक इच्छुक साबित होते हैं, तो व्यवसायों को बेहतर गुणवत्ता वाले ग्राहक मिल सकते हैं। इससे डिजिटल विज्ञापन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा और नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

कंटेंट क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स के लिए भी यह बदलाव महत्वपूर्ण होगा। वर्तमान में उनकी आय का बड़ा हिस्सा विज्ञापनों, ब्रांड प्रमोशन और दर्शकों की संख्या पर निर्भर करता है। यदि मेटा सब्सक्रिप्शन आधारित फीचर्स को बढ़ावा देता है, तो क्रिएटर्स अपने फॉलोअर्स से सीधे आय अर्जित कर सकते हैं। इससे गुणवत्तापूर्ण कंटेंट बनाने वालों को लाभ मिलेगा। हालांकि, छोटे क्रिएटर्स के लिए अपने दर्शकों को भुगतान करने के लिए तैयार करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए पेड मॉडल से कुछ बड़े क्रिएटर्स को अधिक फायदा मिलेगा जबकि छोटे क्रिएटर्स को नई रणनीतियां अपनानी पड़ सकती हैं। डेटा गोपनीयता के संदर्भ में भी पेड वर्जन चर्चा का विषय बनेगा। कई उपयोगकर्ता मानते हैं कि मुफ्त सोशल मीडिया सेवाएं उनके डेटा के बदले उपलब्ध कराई जाती हैं। यदि मेटा भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं को बेहतर गोपनीयता और कम डेटा ट्रैकिंग का विकल्प देता है, तो यह डिजिटल अधिकारों पर नई बहस को जन्म देगा। भारत में डेटा सुरक्षा और निजता को लेकर जागरूकता बढ़ रही है, इसलिए कुछ वर्ग ऐसे विकल्पों का स्वागत कर सकते हैं। वहीं यह सवाल भी उठ सकता है कि क्या बेहतर गोपनीयता केवल भुगतान करने वालों तक सीमित रहनी चाहिए।

भारत सरकार की प्रतिक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी। भारत लगातार डिजिटल प्लेटफॉर्मों के नियमन, डेटा सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहा है। यदि मेटा का पेड मॉडल डेटा उपयोग, उपभोक्ता अधिकारों या प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करता है, तो सरकार इसकी समीक्षा कर सकती है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहेगी कि भारतीय उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित रहें और किसी भी प्रकार का भेदभावपूर्ण मॉडल लागू न हो। विशेष रूप से यदि पेड और मुफ्त उपयोगकर्ताओं के बीच सुविधाओं का अंतर बहुत अधिक होता है, तो इस पर नियामकीय चर्चा हो सकती है।

भारतीय समाज की प्रतिक्रिया भी विविध हो सकती है। शहरी और उच्च आय वर्ग के उपयोगकर्ता विज्ञापन-मुक्त अनुभव तथा अतिरिक्त सुविधाओं के लिए भुगतान करने को तैयार हो सकते हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों और युवा छात्रों का बड़ा वर्ग मुफ्त सेवाओं को ही प्राथमिकता देगा। भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म और संगीत ऐप्स के सब्सक्रिप्शन मॉडल की सफलता यह दिखाती है कि लोग गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए भुगतान कर सकते हैं, लेकिन कीमत और उपयोगिता दोनों महत्वपूर्ण कारक होते हैं। यदि मेटा उचित मूल्य निर्धारण करता है, तो उसे सीमित लेकिन स्थिर ग्राहक आधार मिल सकता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल असमानता का है। यदि कुछ विशेष सुविधाएं केवल भुगतान करने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हों, तो सोशल मीडिया पर दो अलग-अलग वर्ग बन सकते हैं। इससे डिजिटल अवसरों और पहुंच में अंतर बढ़ सकता है। भारत जैसे देश में, जहां इंटरनेट अभी भी सामाजिक और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, इस प्रकार की असमानता पर चिंता व्यक्त की जा सकती है।

दीर्घकालिक दृष्टि से देखा जाए तो मेटा का पेड मॉडल भारत में सोशल मीडिया उद्योग के लिए एक नई दिशा तय कर सकता है। यदि यह सफल होता है, तो अन्य सोशल मीडिया कंपनियां भी इसी प्रकार के मॉडल अपनाने का प्रयास करेंगी। इससे डिजिटल सेवाओं का बाजार अधिक विविध और प्रतिस्पर्धी बन सकता है। वहीं यदि भारतीय उपयोगकर्ता इसे व्यापक रूप से स्वीकार नहीं करते, तो कंपनियां विज्ञापन आधारित मॉडल पर ही अधिक निर्भर बनी रहेंगी।

निष्कर्षतः, मेटा के सोशल मीडिया के पेड वर्जन का भारत पर प्रभाव बहुआयामी होगा। यह उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव, अधिक गोपनीयता और अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान कर सकता है, लेकिन इसके साथ लागत, डिजिटल असमानता और बाजार प्रतिस्पर्धा जैसे प्रश्न भी जुड़े रहेंगे। भारत की जनता की प्रतिक्रिया मुख्य रूप से कीमत, सुविधाओं और उपयोगिता पर निर्भर करेगी। सरकार उपभोक्ता हितों और डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बदलाव पर नजर रखेगी। कुल मिलाकर, मेटा का पेड मॉडल भारत के डिजिटल भविष्य को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है, जिसकी सफलता भारतीय उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और बाजार की वास्तविकताओं पर निर्भर करेगी।

साभार
विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेस

कौड़ियों में नहीं आँका जा सकता शिक्षक का मूल्य

समाज में कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनका योगदान इतना व्यापक, इतना गहरा और इतना दूरगामी होता है कि उनका मूल्य किसी आर्थिक पैमाने पर निर्धारित नहीं किया जा सकता। वे केवल अपना दायित्व नहीं निभाते, बल्कि आने वाले समय की दिशा और दशा का निर्माण करते हैं। शिक्षक ऐसा ही एक व्यक्तित्व है। वह केवल एक कर्मचारी नहीं, केवल एक वेतनभोगी नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को आकार देने वाला शिल्पकार है।

किसी भी सभ्य समाज की नींव शिक्षा पर टिकी होती है और शिक्षा की आत्मा शिक्षक होता है। विद्यालयों की इमारतें, पुस्तकें, पाठ्यक्रम और तकनीक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन इन सबको जीवंत बनाने का कार्य शिक्षक ही करता है। यदि शिक्षक न हो, तो ज्ञान केवल पुस्तकों के पन्नों तक सीमित रह जाएगा। शिक्षक ही वह माध्यम है जो ज्ञान को व्यवहार में बदलता है, जानकारी को समझ में परिवर्तित करता है और बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा देता है।

इसलिए जब किसी शिक्षक के सम्मान, उसकी योग्यता या उसके योगदान को कौड़ियों के तराजू पर तौलने का प्रयास किया जाता है, तब यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अपमान बन जाता है।

किसी भी देश की प्रगति उसकी सड़कों, इमारतों, उद्योगों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की गुणवत्ता से मापी जाती है। और उन नागरिकों की गुणवत्ता का निर्माण जिस व्यक्ति के हाथों में होता है, वह शिक्षक है। एक डॉक्टर जीवन बचाता है, एक इंजीनियर पुल बनाता है, एक वैज्ञानिक नई खोज करता है, एक सैनिक सीमाओं की रक्षा करता है, लेकिन इन सभी को तैयार करने वाला शिक्षक ही होता है। यदि शिक्षक न हो, तो इन सभी क्षेत्रों की नींव ही कमजोर पड़ जाएगी। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति ने सदैव गुरु को सर्वोच्च सम्मान दिया है। हमारे यहाँ गुरु को ईश्वर से भी पहले प्रणाम करने की परंपरा रही है। यह परंपरा किसी अंधविश्वास का परिणाम नहीं थी, बल्कि उस गहरे अनुभव का निष्कर्ष थी कि ज्ञान ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है और ज्ञान का सबसे विश्वसनीय माध्यम शिक्षक होता है। वह केवल अक्षर ज्ञान नहीं देता, बल्कि विवेक, नैतिकता, अनुशासन और जीवन-दृष्टि का निर्माण करता है।

आज का समय भले ही आधुनिकता, तकनीक और बाज़ारवाद का युग हो, लेकिन शिक्षा और शिक्षक का महत्व कम नहीं हुआ है। बल्कि बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में शिक्षक की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब उसे केवल पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ानी, बल्कि विद्यार्थियों को सही जानकारी और भ्रम में अंतर करना भी सिखाना है। उसे केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में शिक्षक की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। यहाँ लाखों शिक्षक ऐसे क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं जहाँ आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। हिमालय की दुर्गम पहाड़ियों से लेकर रेगिस्तानी बस्तियों तक, घने जंगलों से लेकर

दूरस्थ जनजातीय इलाकों तक शिक्षक ज्ञान का दीपक लेकर पहुँचता है।

कई बार विद्यालय तक पहुँचने के लिए उसे लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ता है और सीमित संसाधनों में कार्य करना पड़ता है। इसके बावजूद वह अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटता।

सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की स्थिति को समझना भी आवश्यक है। वे केवल पढ़ाने का कार्य नहीं करते। चुनाव ड्यूटी, जनगणना, सर्वेक्षण, टीकाकरण अभियान, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम और अनेक प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ भी उनके हिस्से आती हैं।

इसके बावजूद समाज उनसे अपेक्षा करता है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कोई कमी न आए। यह अपेक्षा उचित भी है, लेकिन इसके साथ उनके योगदान और चुनौतियों को समझना भी उतना ही आवश्यक है।

मध्याह्न भोजन योजना से लेकर विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तक, विद्यालय प्रबंधन से लेकर अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित करने तक, शिक्षक अनेक भूमिकाएँ निभाता है। कई बार वह अपने निजी संसाधनों से भी विद्यार्थियों की सहायता करता है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं जहाँ शिक्षकों ने गरीब विद्यार्थियों के लिए पुस्तकें खरीदीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई, आर्थिक सहायता प्रदान की और विद्यालय के समय के बाद भी अतिरिक्त कक्षाएँ संचालित कीं।

कोविड-19 महामारी ने शिक्षक की भूमिका को और स्पष्ट कर दिया। जब विद्यालय बंद थे और पूरा विश्व अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था, तब लाखों शिक्षकों ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा को निरंतर बनाए रखने का प्रयास किया।

कहीं मोबाइल फोन के माध्यम से पढ़ाई हुई, कहीं व्हाट्सऐप समूहों के जरिए नोट्स भेजे गए, तो कहीं ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया गया। यह कार्य केवल नौकरी का हिस्सा नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

समर्पण का प्रमाण था।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति को जागरूक नागरिक बनाती है। वह उसे संवेदनशील, जिम्मेदार और विवेकशील बनाती है। लोकतंत्र की सफलता भी शिक्षित और जागरूक नागरिकों पर निर्भर करती है। ऐसे में शिक्षक केवल विद्यालय का कर्मचारी नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक समाज की मजबूती का आधार बन जाता है।

यह भी सत्य है कि हर क्षेत्र की तरह शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार की आवश्यकता बनी रहती है। कुछ व्यक्तिगत कमियाँ या अपवाद हो सकते हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को अपमानित करना न तो न्यायसंगत है और न ही बुद्धिमानी। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके समग्र योगदान के आधार पर होना चाहिए, न कि कुछ एकाकी घटनाओं के आधार पर।

यदि हम इतिहास पर दृष्टि डालें, तो पाएंगे कि किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण उसके शिक्षकों की गुणवत्ता और सम्मान से जुड़ा रहा है। जापान, दक्षिण कोरिया, फ़िनलैंड और सिंगापुर जैसे देशों ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और शिक्षकों को सामाजिक सम्मान प्रदान किया। परिणामस्वरूप वे शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हुए। भारत भी आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं है। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सशक्त मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। और यह कार्य शिक्षक के बिना संभव नहीं है। इसलिए शिक्षकों का सम्मान करना केवल एक नैतिक कर्तव्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता भी है।

जब कोई शिक्षक एक बच्चे को पढ़ाता है, तो वह केवल एक विद्यार्थी को शिक्षित नहीं करता। वह एक परिवार का भविष्य बदलता है, एक समाज को दिशा देता है और राष्ट्र की प्रगति में योगदान करता है। उसकी मेहनत का परिणाम तुरंत दिखाई नहीं देता, लेकिन वर्षों बाद वही विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देकर उसके परिश्रम को सार्थक बनाते हैं। वास्तव में शिक्षक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं होती कि उसका नाम समाचारों में छपे। उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह क्षण होता है जब उसका कोई विद्यार्थी सफलता के शिखर पर पहुँचकर अपने गुरु को याद करता है। उस सम्मान और संतोष की तुलना किसी आर्थिक पुरस्कार से नहीं की जा सकती।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षकों के प्रति सम्मान, विश्वास और सहयोग का वातावरण तैयार करें। आलोचना हो तो रचनात्मक हो, संवाद हो तो सम्मानजनक हो और मूल्यांकन हो तो तथ्यों के आधार पर हो। क्योंकि जिस समाज में शिक्षक का सम्मान घटता है, वहाँ ज्ञान का महत्व भी धीरे-धीरे कम होने लगता है।

हमें यह समझना होगा कि शिक्षक का मूल्य वेतन-पर्ची, पदनाम या बाहरी प्रतिष्ठा से निर्धारित नहीं होता। उसका मूल्य उन लाखों जीवनों में छिपा होता है जिन्हें उसने दिशा दी, उन सपनों में बसता है जिन्हें उसने उड़ान दी और उन पीढ़ियों में दिखाई देता है जिन्हें उसने संस्कारित किया।

इसलिए शिक्षक को कौड़ियों में आँकने का प्रयास केवल एक भूल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की उस महान प्रक्रिया को न समझ पाने का प्रमाण है, जिसके केंद्र में शिक्षक खड़ा होता है। सच तो यह है कि राष्ट्र निर्माता का मूल्य कभी कौड़ियों में नहीं आँका जा सकता। उसका मूल्य इतिहास लिखता है, समाज स्वीकार करता है और आने वाली पीढ़ियाँ सम्मान के साथ याद रखती हैं। शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक का सम्मान नहीं है; वह ज्ञान का सम्मान है, संस्कार का सम्मान है, भविष्य का सम्मान है और अंततः राष्ट्र का सम्मान है। इसलिए जब भी शिक्षक की बात हो, हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि जिन हाथों में आने वाले भारत का भविष्य आकार ले रहा है, उन्हें किसी भी कीमत के तराजू में नहीं तौला जा सकता। राष्ट्र निर्माता का मूल्य वास्तव में अमूल्य होता है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जनगणना-2027 में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का किया आह्वान

शिमला (बी. शर्मा) : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) अभियान में भाग लिया और ऑनलाइन पोर्टल मण्बमदेनेण्हवअण्पद के माध्यम से जनगणना संबंधी अपनी जानकारी दर्ज की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश की जनगणना संचालन निदेशक दीप शिखा शर्मा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया, इसकी प्रमुख विशेषताओं तथा नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और 15 जून, 2026 तक अपनी स्व-गणना पूरी करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जनगणना लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और विकास की आधारशिला है, जो जनसंख्या, परिवारों की स्थिति, आवास, संसाधनों तथा सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाती है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर विकास योजनाएं बनाई जाती हैं तथा जनकल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जनगणना-2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण 16 जून से 15 जुलाई, 2026 तक संचालित किया जाएगा, जोकि 'गृह सूचीकरण एवं आवास जनगणना' पर आधारित होगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। गणनाकर्ता (एन्यूमरेटर) और पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) मोबाइल उपकरणों के माध्यम से घरों और परिवारों से संबंधित जानकारी एकत्रित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के दुर्गम बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में जनसंख्या गणना 11 से 30 सितंबर, 2026 तक होगी, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह कार्य 9 से 28 फरवरी, 2027 तक संपन्न किया जाएगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस राष्ट्रीय महत्त्व के अभियान को सफल बनाने के लिए गणनाकर्ताओं, पर्यवेक्षकों तथा अन्य जनगणना अधिकारियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाकर सहयोग करने का आग्रह किया।इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, विधायक देहरा कमलेश ठाकुर तथा मुख्यमंत्री के सचिव आशीष सिंहमार भी उपस्थित थे।

पूर्व सैनिकों के लिए डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव एवं कानूनी जागरूकता कार्यक्रम 5 जून को

बिलासपुर, (जितेंद्र गौतम) - पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराधों तथा सेवा एवं पेंशन संबंधी कानूनी मामलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 5 जून को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बिलासपुर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस बारे जानकारी देते हुए उपनिदेशक सैनिक कल्याण बिलासपुर स्क्वाड्रन लीडर (सेवानिवृत) मनोज राणा ने बताया कि यह कार्यक्रम अधिवक्ता दीपक भट्ट द्वारा विभिन्न जिलों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों और वरिष्ठ नागरिकों को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा डिजिटल माध्यमों से होने वाले वित्तीय जोखिमों के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही सेवा संबंधी विवादों, पेंशन मामलों तथा अन्य कानूनी समस्याओं के समाधान और उपलब्ध कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों को सशस्त्र बल अधिकरण (एएफटी) तथा अन्य न्यायिक मंचों पर लंबित मामलों की स्थिति, अद्यतन जानकारी और उनसे संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में परामर्श दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त कानूनी अधिकारों, पेंशन संबंधी प्रावधानों तथा सेवा मामलों से जुड़े विभिन्न विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे पूर्व सैनिकों की कानूनी समझ और जागरूकता को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने जिले के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके परिवारजनों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है ताकि वह डिजिटल सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और सेवा संबंधी विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकें तथा किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से स्वयं को सुरक्षित रख सके।

एसजेवीएन ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर शिमला में वृक्षारोपण अभियान आयोजित

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में एसजेवीएन ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत आज शिमला में वृक्षारोपण अभियान आयोजित करके पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस अवसर पर, श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), श्री पंकज पोरवाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा लेफ्टिनेंट कर्नल लखविंदर सिंह, 133 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) इको डोगरा ने वृक्षारोपण किया। यह वृक्षारोपण अभियान हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के सहयोग से शिमला के चमियाणा क्षेत्र में आयोजित किया गया।

श्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में देवदार, ओक, अखरोट, अनार तथा अन्य वृक्ष प्रजातियों के 150 पौधे रोपित किए गए हैं। उन्होने कहा कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने में सहायक होगी। इस वृक्षारोपण अभियान में 133 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) इको डोगरा, हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग के अधिकारियों तथा एसजेवीएन कारपोरेट मुख्यालय, शिमला के विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हरित भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम के रूप में सक्रिय सहभागिता की।

पूर्व सैनिकों ने मानद नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

» प्रथम न्यूज । शिमला
02 जून (बी. शर्मा)

हिमाचल प्रदेश पुलिस में कार्यरत पूर्व सैनिकों ने आज ओक ओवर में आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। राज्य सरकार के हाल ही में लिए गए निर्णय के तहत 246 पूर्व सैनिकों को हेड कांस्टेबल तथा 115 को सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) के रूप में नियुक्ति प्रदान की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हेड कांस्टेबल सुधीर शर्मा और कांस्टेबल रवि दत्त के पाइपिंग समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पुलिस बल में पूर्व सैनिकों के अनुभव, समर्पण और अनुशासन को अत्यंत महत्व देती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रावधानों के अनुसार पुलिस कर्मियों को मानद हेड कांस्टेबल के पद के लिए 20 वर्ष तथा मानद सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) के पद के लिए 32 वर्ष की सेवा पूर्ण करनी होती है। पूर्व सैनिक सामान्यत: अपने सेवाकाल के अपेक्षाकृत बाद के चरण में पुलिस सेवा में शामिल होते हैं, जिसके कारण उनके पास इन मानद नियुक्ति के लिए आवश्यक सेवा अवधि पूर्ण करने का पर्याप्त समय नहीं बचता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों के लिए पात्रता सेवा अवधि में आवश्यक छूट देने का निर्णय लिया है ताकि उन्हें मानद हेड कांस्टेबल और मानद एएसआई के रूप में नियुक्ति का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राष्ट्र और राज्य के प्रति उनके

अमूल्य योगदान तथा सेवाओं को उचित सम्मान प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने पहले देश की सीमाओं की रक्षा कर राष्ट्र की सेवा की है और अब पुलिस बल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्हें एक रैंक उच्च नियुक्ति देने से उनकी गरिमा बढ़ेगी और उनकी सेवाओं को उचित सम्मान मिलेगा।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में अग्निवीर भर्ती योजना लागू होने के बाद युवाओं का सेना के प्रति आकर्षण कुछ कम हुआ है। इसके बावजूद राज्य सरकार अग्निवीरों के लिए रोजगार के अधिकतम अवसर सृजित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत पहले कानूनी संरक्षण केवल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्राप्त था, लेकिन राज्य सरकार ने अब कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों तक भी यह संरक्षण विस्तारित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल के आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की संख्या को तर्कसंगत बनाया जा रहा है। आईएएस, आईपीएस और आईएफएस कैडर में भी कमी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ, विशेष रूप से ''चिट्टा'' की तस्करी के विरुद्ध व्यापक अभियान शुरू किया है, जिसमें पुलिस विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है और नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध भी सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

ठेड़पूरा शलगा रोड की हालत खस्ता, करोड़ों रुपये खर्च करने पर भी नहीं बनी 3 किलोमीटर सड़क

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
02 जून (तारा)

पिछले ढाई दशक से निर्माणाधीन ठेड़पूरा-शलगा-गुनाई रोड का कार्य कछुआ चाल से चल रहा है और जो सड़क बनी है वह भी दयनीय हालत में है। वर्ष 2000 में इस सड़क का कार्य शुरू करवाया था लेकिन अभी तक 3 किलोमीटर भी सही ढंग से नहीं बनी है

चार वर्ष पूर्व सरकार ने ठेड़पूरा-शलगा तक की तीन किलोमीटर सड़क की कटिंग, चौड़ीकरण, गटका तथा मेटलिंग के लिए 90 लाख रुपये स्वीकृत किये थे जिसके कार्य के लिए टेंडर भी लगे व गटके का कार्य ठेकेदार को आवंटित भी किया गया था।इससे पूर्व भी इस सड़क पर लाखों रुपये खर्च किये जा चुके है। तत्कालीन वन,परिवहन एवम खेल मंत्री ने शलगा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण विभाग को आदेश किये थे लोगों की परेशानी के मद्देनजर तीन किलोमीटर सड़क को प्राथमिकता के आधार पर पक्का रोड बनाया जाए।

पट्टा नाली पंचायत के पूर्व उपप्रधान

शिव कुमार ठाकुर ने बताया कि तीन वर्ष बीत जाने पर ठेकेदार ने कोई कार्य नहीं किया। गत वर्ष भारी बरसात के कारण इस रोड की हालत बहुत ही दयनीय हो गई थी। जिस कारण थोड़ी सी वर्षा होने पर कीचड़ हो जाता है। जिसके कारण बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में नव निर्वाचित प्रधान आशा कंवर से बात की तो उन्होंने बताया कि इस सड़क का कार्य वह प्राथमिकता के आधार पर करवाने का प्रयास करेंगे।

अक्टूबर 2024 तक यह रोड़ तैयार होना था लेकिन परंतु टेंडर अवधि पूरी होने के दो साल बीत जाने पर भी तीन किलोमीटर में गटका नहीं बिछा है जहां डाला भी है वहां पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है परिणामस्वरूप थोड़ी वर्षा होने पर सड़क में जगह जगह तालाब बन जाते है और धूप लगने पर धूल ही धूल हो जाती है। पंचायतों के चुनाव के दौरान दर्जनों वाहन इस मार्ग से सलगा व कुनाना मतदान केंद्रों की तरफ आते जाते रहे उन्हें सड़क में जगह जगह कीचड़ के कारण वाहनों को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

उधर इस सम्बंध में लोक निर्माण विभाग चंडी के सहायक अभियंता कुलभूषण गुप्ता ने बताया कि इस निर्माणाधीन सड़क को 6 किलोमीटर की नाबार्ड के तहत पक्का रोड बनाने की डीपीआर तैयार की जा रही है स्वीकृति उपरांत कार्य सम्पन्न किया जाएगा।

ठेडपूरा-शलगा- गुनाई रोड़ की खस्ता हालत

विश्व पर्यावरण दिवस पर हिमाचल इको वॉरियर्स ने 75,000 पौधारोपण अभियान का किया शुभारंभ

शिमला, (बी. शर्मा)- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 133 इको टास्क फोर्स (ETF) के हिमाचल इको वॉरियर्स ने पूरे क्षेत्र में 75,000 पौधे लगाने के लक्ष्य के साथ एक महत्वाकांक्षी पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान की शुरुआत आज चमियाना में आयोजित एक पौधारोपण कार्यक्रम से हुई, जिसका आयोजन सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) तथा हिमाचल प्रदेश वन विभाग के सहयोग से किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत स्थानीय जैव विविधता को सुदृढ़ करने तथा पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न देशी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही, स्थानीय नागरिकों को वन संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं पारिस्थितिक पुनर्स्थापन के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) एसजेवीएन द्वारा अखरोट का पौधा लगाकर किया गया। इस अवसर पर पंकज पोरवाल, आईटीएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एसजेवीएन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 133 इको टास्क फोर्स, एसजेवीएन लिमिटेड तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वनीकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई।

यह पौधारोपण अभियान नो योर टीए मेला पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा इसका समापन इसी आयोजन के दौरान होगा। यह अभियान प्रादेशिक सेना (टेरिटोरियल आर्मी) की इकोलॉजिकल टास्क फोर्स इकाइयों द्वारा देश में पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और सतत विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

खाई में गिरने से 11 साल की बच्ची की मौत

ब्रेही में पेश आया हादसा, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

चम्बा (एएम नाथ)- ग्राम पंचायत ब्रेही में ग्यारह वर्षीय लड़की की ढांक से गिरकर मौत हो गई। मृतका की पहचान मतो पुत्री प्यार चंद वासी गांव खलोट पोस्ट आफिस ब्रेही के तौर पर की गई है, जोकि छठी कक्षा की छात्रा थी। पुलिस ने सोमवार को मेडिकल कालेज चंबा में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस ने घटना की रपट रोजनामचे में डालकर विस्तृत कारणों की जांच आरंभ कर दी है।

जानकारी के अनुसार खलोट गांव की मतो गत रोज घर के समीप जंगल में लकड़ियां एकत्रित करने के लिए निकली थी। मगर रास्ते में पांव फिसलने के कारण गहरी ढांक से नीचे जा गिरी। इसी दौरान राह गुजरते ग्रामीणों ने ढांक में मतो को घायलावस्था में पड़ा पाया। उन्होंने तुरंत परिजनों को सूचित करने के साथ ही मतो को घायलावस्था में ढांक से उठाकर उपचार के लिए मेडिकल कालेज चंबा भिजवाया। मगर मतो ने घाव की ताव को न सहते हुए बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मेडिकल कालेज पहुंचते ही चिकित्सकों ने मतो को मृत घोषित करार दे दिया। इसी बीच घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाते ही गैहरा पुलिस चौकी से टीम ने मेडिकल कालेज पहुंचकर शव को कब्जे में लेने के साथ ही कागजी औपचारिकताएं निपटाईं।

फिलहाल पुलिस ने आरंभिक जांच व परिजनों के बयान के आधार पर इस संदर्भ में बीएनएसएस की धारा 194 के तहत कार्रवाई अमल में लाई है।

क्या बोले एसपी

एसपी चंबा विजय कुमार सकलानी ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर नियमानुसार आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई है।

पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों में भाजपा की सुनामी, कांग्रेस का जनाधार पूरी तरह ध्वस्त : संदीपनी भारद्वाज

चार में से तीन नगर निगम, अधिकांश जिला परिषद और बीडीसी पर भाजपा का कब्जा तय : संदीपनी भारद्वाज

» प्रथम न्यूज । शिमला
02 जून (बी.शर्मा)

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक सफलता पर प्रदेश की जनता, भाजपा नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सुनामी बह रही है और चुनाव परिणामों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनाक्रोश को स्पष्ट रूप से सामने ला दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठित और प्रभावी तरीके से चुनाव लड़ा, जिसका परिणाम आज पूरे प्रदेश के सामने है। चार नगर निगमों में से तीन – मंडी, धर्मशाला और सोलन – में भाजपा ने शानदार विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। वहीं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में भी भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को प्रदेशभर में भारी जनसमर्थन मिला है।

संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि इन चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया है कि प्रदेश की जनता वर्तमान कांग्रेस सरकार से पूरी तरह निराश हो चुकी है। जनता ने सरकार की नीतियों, वादाखिलाफी और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ मतदान करते हुए भाजपा पर अपना विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 12 जिलों में से अधिकांश जिलों में भाजपा समर्थित जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनने जा रहे हैं। बीडीसी स्तर पर भी भाजपा का दबदबा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यह परिणाम केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि प्रदेश की जनता का सरकार के खिलाफ स्पष्ट संदेश है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि शिमला जिला में भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को व्यापक समर्थन मिला है। चौपाल, रोहड़ू, रामपुर, ठियोग, कुमारसैन और शिमला ग्रामीण सहित अनेक क्षेत्रों में भाजपा समर्थित प्रतिनिधियों की जीत यह दर्शाती है कि जनता विकास और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनावों को टालने और स्थगित करने के प्रयास कर रही थी क्योंकि उसे पहले से ही अपनी हार का आभास था। आज चुनाव परिणामों ने उस आशंका को सही साबित कर दिया है। प्रदेश के कई मंत्रियों को अपने ही क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा है, जो सरकार की गिरती लोकप्रियता का प्रमाण है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि नगर निगमों से लेकर जिला परिषद और बीडीसी तक जनता ने भाजपा को भरपूर समर्थन देकर यह संकेत दे दिया है कि आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश में सत्ता परिवर्तन निश्चित है। यह जनादेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ अविश्वास का वोट है।

उन्होंने कहा कि जब प्रदेश की जनता इतनी स्पष्टता के साथ सरकार को नकार चुकी है, तब मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और नया जनादेश लेने के लिए जनता के बीच जाना चाहिए। संदीपनी भारद्वाज ने इस ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेश की जनता, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा जनता के विश्वास को और मजबूत करते हुए प्रदेश के विकास और जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत हिंदी एवं पहाड़ी कवि सम्मेलन का आयोजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
02 जून (बी.शर्मा)

अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव-2026 के अंतर्गत साहित्य, भाषा एवं संस्कृति को समर्पित हिंदी तथा पहाड़ी कवि सम्मेलनों का आयोजन गेयटी थिएटर सभागार में किया जाएगा। इन आयोजनों में प्रदेश एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव समिति ने साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं आम जनता से इन आयोजनों में भाग लेकर हिमाचल की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समझने और आगे बढ़ाने का आग्रह किया है।

हिंदी कवि सम्मेलन : प्रथम सत्र

हिंदी कवि सम्मेलन का प्रथम सत्र 8 जून, 2026 को प्रात: 10:30 बजे गेयटी थिएटर सभागार में आयोजित होगा। इस सत्र में डॉ. ओम प्रकाश सरस्वत (शिमला), डॉ. रेखा वशिष्ठ (मंडी), प्रो. मीनाक्षी एफ. पॉल (शिमला), डॉ. सत्यनारायण स्नेही (शिमला), जगदीश बाली (कुमारसैन), अजय (लाहुल-स्पीति), गणेश गणी (कुल्लू), रोशन जस्वाल (सोलन), डॉ. राजन तनवर (अर्की), प्रदीप सैनी (पांवटा साहिब), दीप्ति सरस्वत (शिमला), प्रियंवदा शर्मा (सुंदरनगर), मधु शर्मा कात्यायनी (शिमला), राजीव त्रिगर्ती (कांगड़ा), डॉ. विजय लक्ष्मी नेगी (शिमला), डॉ. देवकन्या ठाकुर (शिमला), सीताराम शर्मा (शिमला), ओम भारद्वाज (ठियोग), भारती कुठियाला (शिमला), सिकंदर बंसल (रामपुर), पूजा सूद (शिमला), बलवंत नील (मंडी) तथा दक्ष शुक्ल (दाड़लाघाट) कविता पाठ करेंगे।

हिंदी कवि सम्मेलन : द्वितीय सत्र

हिंदी कवि सम्मेलन का द्वितीय सत्र 8 जून, 2026 को दोपहर 2:00 बजे उसी सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में के. आर. भारती (शिमला), आत्मा रंजन, डॉ. दिनेश कंवर, कुमाराजीव पंत (सोलन), डॉ. दिनेश शर्मा (शिमला), मोहन साहिल (ठियोग), वीरेन्द्र शर्मा (शिमला), रत्न चंद निर्झर (बिलासपुर),

अनीता शर्मा (शिमला), राकेश कुमार सिंह (बिलासपुर), स्नेह नेगी (शिमला), गुप्तेश्वर उपाध्याय (शिमला), गुलपाल वर्मा (शिमला), डॉ. जय चंद (सिरमौर), गुरमीत बेदी (ऊना), कुलदीप शर्मा (ऊना), जाह्नवी नेगी (किन्नौर), पवन चौहान (सुंदरनगर), डॉ. रोशन लाल जिंटा (शिमला), नीता अग्रवाल (शिमला), पौमिला ठाकुर (मंडी), लेखराज चौहान (मंडी), अनिल शर्मा

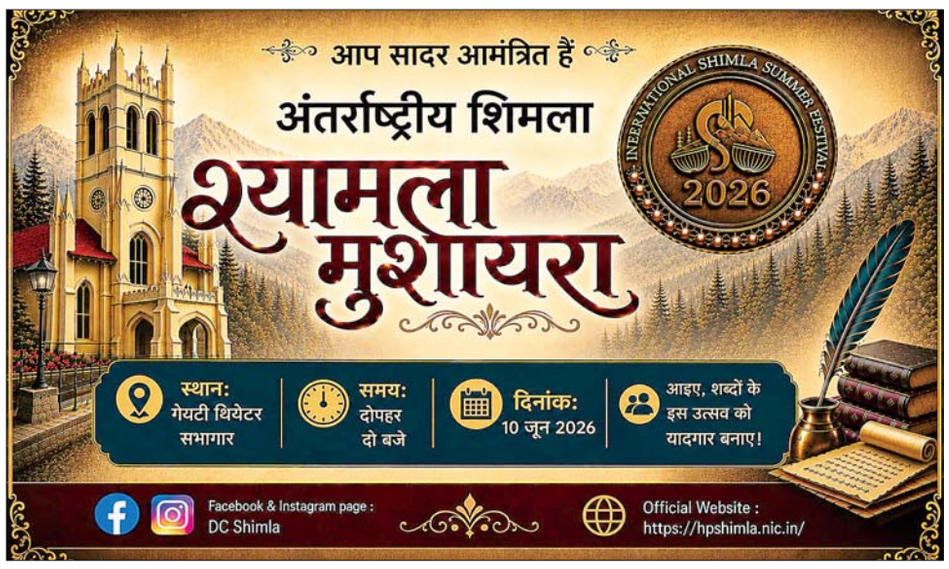

(बिलासपुर), उषा सोना (शिमला), डॉ. कौशल्या ठाकुर (शिमला), सलिल शमशेरी (शिमला), हरदेव सिंह धीमान (नारकंडा), हेमलता (शिमला) और अश्विनी वर्मा (सिरमौर) अपनी कविताओं का पाठ करेंगे।

पहाड़ी कवि सम्मेलन: पहाड़ी कवि सम्मेलन 9 जून, 2026 को प्रात: 10:00 बजे गेयटी थिएटर सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. ओ. पी. शर्मा (शिमला), डॉ. मस्तराम शर्मा (शिमला), डॉ. सूरत ठाकुर (कुल्लू), डॉ. कर्म सिंह (शिमला), डॉ. शंकर वशिष्ठ (सोलन), त्रिलोक सूर्यवंशी (कांगड़ा), प्रताप प्राशर (शिमला), रामलाल पाठक (बिलासपुर), ओम प्रकाश शर्मा (जुन्गा), अशोक दर्द (चंबा), उमा ठाकुर नधैक (शिमला), कृष्ण चंद महादेविया (सुंदरनगर), वंदना राणा (शिमला), रमेश चंद मस्ताना (कांगड़ा), मदन हिमाचली (सोलन), हितेंद्र शर्मा (कुमारसैन), विनोद भावुक (कांगड़ा), कल्पना गांगटा (शिमला), रविंद्र कुमार शर्मा (घुमारवीं), सुरेन्द्र मिनहास, रवि संख्यान (बिलासपुर), अनु ठाकुर (सरकाघाट), प्रमोद कुमार हर्ष (सरकाघाट), भूप रंजन (रोहड़ू), डॉ. रविंद्र कुमार ठाकुर (बिलासपुर), हरी प्रिया (मंडी), आशा पठानिया (कांगड़ा), शक्ति चंद राणा (बैजनाथ), डॉ.ईश्वर दत्त राही (सिरमौर) तथा प्रेमपाल आर्य (सिरमौर) पहाड़ी कविता पाठ करेंगे।

मुशायरा का होगा आयोजन

श्यामला मुशायरा का आयोजन 10 जून, 2026 को दोपहर 2 बजे गेयटी सभागार, शिमला में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित प्रतिष्ठित शायर अपनी रचनाओं और ग़ज़लों के माध्यम से श्रोताओं को साहित्यिक रसास्वादन कराएंगे।

मुशायरे में द्विजेन्द्र द्विज bb (धर्मशाला), रमेश डाढवाल (धर्मशाला), कुलदीप गर्ग तरुण (अर्की, सोलन), अनन्त आलोक (नाहन), विकास राणा (बैजनाथ), रजनीश्वर चौहान (शिमला), जावेद उल्फत (नाहन), जाहिद अबरोल (ऊना), नवनीत शर्मा (धर्मशाला), अभिषेक तिवारी (शिमला), प्रताप जरयाल (कांगड़ा), पवनेन्द्र पवन (नगरोटा), नरेश देओग (शिमला), सुमित राज सुमित (शिमला), सतपाल ख्याल (बद्दी) तथा कार्तिक शर्मा अपनी रचनाओं का पाठ

अफगानिस्तान टेस्ट से पहले टीम इंडिया को मिला नया कोच

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले इकलौते टेस्ट मैच से पहले नया कोच मिला है। ये शख्स हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के साथ था और अब टीम इंडिया के साथ काम करता हुआ दिखाई देगा। इस खिलाड़ी का नाम है साईराज बहुतुले।

बहुतुले को बीसीसीआई ने टीम इंडिया के स्पिन कोच के तौर पर चुना है। बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। बयान में लिखा है, बीसीसीआई साईराज बहुतुले को टीम इंडिया का नया स्पिन कोच बनाने की घोषणा करता है।

बहुतुले ने जताई खुशी

टीम इंडिया के साथ जुड़ने पर बहुतुले ने खुशी जाहिर की है। बीसीसीआई द्वारा जारी बयान के मुताबिक बहुतुले ने कहा, भारतीय पुरुष टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किए जाने पर मैं काफी गर्व महसूस कर रहा हूं। एक खिलाड़ी के तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात थी। अब एक कोच के तौर पर भारतीय क्रिकेट में योगदान देना काफी खास है।

ऐसा रहा है करियर

बहुतुले ने भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मैच खेले हैं। वह घरेलू क्रिकेट के दिग्गज माने जाते हैं। उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 630 विकेट और 6176 रन हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोचिंग में हाथ दिखाया। वह घरेलू क्रिकेट में विदर्भ, केरल, गुजरात और बंगाल के साथ कोचिंग कर चुके हैं। वह साल 2022 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच भी रहे थे। 2024 में भी वह टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। बहुतुले ने इंडिया-ए के साथ भी काम किया है। वह भारत की सीनियर टीम के साथ भी कुछ दौरों पर बतौर गेंदबाजी कोच काम कर चुके हैं। 2021 से 2024 तक वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का हिस्सा भी रहे। आईपीएल-2026 में वह राजस्थान रॉयल्स के साथ काम कर रहे थे।

वैभव सूर्यवंशी होंगे आईआईएम की रिसर्च का हिस्सा, कम उम्र में मिली सफलता बनी चर्चा का विषय

खेल, कला, फिल्म और अन्य क्षेत्रों में कम उम्र में प्रतिभाओं की असाधारण सफलता के पीछे कौन से कारक काम करते हैं और उनमें से कई प्रतिभाएं लंबे समय तक शिखर पर कैसे बनी रहती हैं? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), इंदौर विशेष अध्ययन करेगा। हाल में आईपीएल में अपने प्रदर्शन से चर्चा में आए युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी भी इस शोध का हिस्सा होंगे। अध्ययन का उद्देश्य केवल

बाल प्रतिभाओं की उपलब्धियों का मूल्यांकन करना ही नहीं, उनकी सफलता के पीछे काम करने वाले कारकों को समझना है।

किसकी होती है भूमिका

शोध में यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि किसी बाल प्रतिभा को असाधारण बनाने में सबसे बड़ी भूमिका किसकी होती है। क्या सफलता का आधार जन्मजात क्षमता और जीन होते हैं, या परिवार, स्कूल, प्रशिक्षक और सामाजिक वातावरण उसे आगे बढ़ाते हैं? शोधकर्ता यह भी परखेंगे कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और अभ्यास का योगदान कितना महत्वपूर्ण है।

अध्ययन में उन उदाहरणों की भी तुलना की जाएगी, जिनमें कुछ बाल प्रतिभाएं शुरुआती सफलता को लंबे समय तक बनाए रखने में सफल रहीं, जबकि कुछ अपेक्षित ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकीं।

वैभव सूर्यवंशी ने डबल कर दी अपनी फीस, अब एक करार के लिए वसूल रहे हैं इतनी रकम

आईपीएल-2026 पूरी तरह से वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा तो ये कहना गलत नहीं होगा। वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से जो धमाल मचाया उसके बाद उनमें वो खिलाड़ी नजर आने लगा है जो अकेले के दम पर दर्शकों को मैदान तक खींच लाएगा और स्टेडियम में उनके नाम का शोर होगा। इसका फायदा वैभव भी उठा रहे हैं। बढ़ती लोकप्रियता के साथ ही उन्होंने अपनी फीस में भी बढ़ोत्तरी कर दी है।

आईपीएल-2026 में वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए और लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को दी जाने वाली ऑरेंज कैप भी जीती। वह पांच अवॉर्ड अपने नाम कर ले गए और एक सीजन में पांच अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी भी बने।

वैभव ने बढ़ा दी फीस

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव ने अपनी फीस में दोगुना की बढ़ोत्तरी कर दी है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि पहले वैभव एक एंडोरसमेंट के लिए एक करोड़ लेते थे, लेकिन अब वह 1.5 से 2 करोड़ चार्ज कर रहे हैं।

रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा है, आईपीएल से पहले उन्होंने कुछ ब्रांड्स से करार किया था जिसके लिए उन्होंने एक करोड़ रुपये लिए थे, लेकिन अब वह 1.5 से दो करोड़ रुपये ले रहे हैं। उन्होंने कॉम्पलेन और रेडबुल से एक करोड़ का करार किया था, लेकिन अब वह 1.5 से 2 करोड़ मांग रहे हैं।

राजस्थान ने किया 1.10 करोड़ का करार

राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को पिछले साल 1.10 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। हालांकि, बहुत संभावना है कि अगली मेगा नीलामी में वैभव की कीमत इससे काफी ज्यादा हो सकती है। दिग्गजों का मानना है कि अगर वैभव नीलामी में आते हैं तो वह 30 करोड़ हासिल कर सकते हैं।

टेस्ट टीम में नहीं मिली थी जगह, दिग्गजों ने सेलेक्शन कमेटी को लगाई थी फटकार; अब टीम इंडिया से जुड़ा ये गेंदबाज

अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जाने वाले इकलौते टेस्ट मैच के लिए जब टीम इंडिया का एलान हुआ था तब एक गेंदबाज के न चुने जाने पर काफी हंगामा बरपा था। ये गेंदबाज थे आकिब नबी। नबी ने घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन कर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब दिलाया था।

अब नबी टेस्ट टीम के साथ जुड़ गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच इकलौता टेस्ट मैच न्यू चंडीगढ़ में छह जून से शुरू हो रहा है। ये टेस्ट आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है।

टीम से जुड़े नबी - वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, नबी न्यू चंडीगढ़ पहुंच गए हैं और टीम इंडिया के साथ जुड़ गए हैं। नबी बतौर नेट बॉलर टीम के साथ जुड़े हैं।

उनके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल-2026 में दमदार खेल दिखाने वाले प्रिंस यादव भी टेस्ट टीम के साथ बतौर नेट बॉलर जुड़े हैं। प्रिंस तो अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुने भी गए हैं।

इन दोनों के अलावा चार और नेट गेंदबाज भारतीय टीम के टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करेंगे। इनमें गुरजपनीत सिंह, शिवांग कुमार, सारांश जैन, जीशान अंसारी के नाम शामिल हैं।

दोनों देशों के बीच सिर्फ दूसरा टेस्ट

ये इन दोनों टीमों के बीच खेला जाने वाला सिर्फ दूसरा टेस्ट मैच है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच साल 2018 में बेंगलुरु में पहला टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें भारत ने जीत हासिल की थी। अफगानिस्तान टेस्ट रैंकिंग में टॉप-9 में नहीं है और इसी कारण ये टेस्ट मैच टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है। यह सिर्फ एक दोस्ताना मैच है जो अफगानिस्तान को टेस्ट क्रिकेट का अनुभव कराने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

पंजाब में 25 जून 2026 से शुरू होगी घर-घर विशेष मतदाता गणना अभियान

चंडीगढ़, (पुनीत महाजन) - पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनिंदिता मित्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत घर-घर जाकर मतदाता गणना का कार्य 25 जून 2026 से शुरू किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है।

उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं की वोटें अभी तक निर्धारित मानचित्रण प्रक्रिया (मैपिंग) के अंतर्गत नहीं आ सकी हैं, उनकी सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई है। इससे राजनीतिक दलों के सहयोग से ऐसे मतदाताओं की पहचान कर उनकी वोटों को सही ढंग से मैप किया जा सकेगा और मैप्ड वोटों के प्रतिशत में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग का लक्ष्य राज्य के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही मतदाता सूची में दर्ज करना तथा मतदान प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाना है। इसके लिए बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे घर-घर सर्वेक्षण के दौरान निर्वाचन अधिकारियों का सहयोग करें तथा सही और अद्यतन जानकारी उपलब्ध करवाएं, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

पंजाब निर्वाचन विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह विशेष अभियान राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गीता मंदिर में भजनों की गूंज, 'सांवरिया कर दो बेड़ा पार' पर झूमे श्रद्धालु

पंचकूला में सजी भक्ति की महफिल, हरियाणा-पंजाब के गायकों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

» प्रथम न्यूज । पंचकूला/चंडीगढ़

02 जून (पुनीत महाजन)

पंचकूला के सेक्टर-11 स्थित गीता मंदिर में सोमवार को भक्ति और संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिला। ट्राइसिटी के प्रसिद्ध एवरग्रीन फ्रेंड्स म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आयोजित तीसरी भव्य भजन संध्या में श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर रहे। कार्यक्रम में ट्राइसिटी के अलावा हरियाणा और पंजाब से आए 25 से अधिक गायक-गायिकाओं ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

भजन संध्या के दौरान सांवरिया कर दो बेड़ा पार और तूने मुझे बुलाया शेरावालिए जैसे लोकप्रिय भजनों पर श्रद्धालु घंटों तक झूमते और थिरकते रहे। आयोजन के प्रमुख एवं राधाकृष्ण भक्त प्रेम सागर गुप्ता ने तूने मुझे बुलाया भजन प्रस्तुत कर भक्तों को भावविभोर कर दिया, जबकि सियाराम भक्त राजकुमार ने सांवरिया कर दो बेड़ा पार भजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति सागर में डुबकी लगाने का अवसर दिया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पहुंचे राकेश मित्तल और शांति स्वरूप सिंगला ने भी अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इसके अलावा कमला देवी, शनाया, कंचन भल्ला, वेद बागड़ी, सोनिया पांचाल, नरेश सैनी, नवजोत, शिवानी सिंगला, मनप्रीत, सुषमा रावल, अनिरुद्ध, प्रवीण गर्ग, मधु शर्मा, अनुपम गुप्ता, अरुण अरोड़ा, आशा धीमान, अनिल मक्कड़, स्वीटी और प्रीती सहित अनेक कलाकारों ने भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

सांवरे को दिल में, श्री राम जानकी बैठे हैं और मुझे तूने दाता जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्त भक्ति भाव में डूबे नजर आए और वातावरण जयकारों तथा भजनों की मधुर ध्वनियों से गूंजता रहा।

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का मंच संचालन कंचन भल्ला ने प्रभावशाली ढंग से किया। कार्यक्रम के दौरान नन्हीं बच्ची शनाया द्वारा केक भी काटा गया, जिसने उपस्थित लोगों का विशेष आकर्षण बटोरा। श्रद्धालुओं के लिए चाय, पानी और अन्य रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की गई थी। भजन संध्या के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भक्ति, संगीत और श्रद्धा के इस अनूठे संगम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराई और कार्यक्रम देर रात तक उल्लास एवं भक्ति भाव के साथ चलता रहा।

शौर्य चक्र विजेता MARCOS कमांडो अमित कुमार राणा का सड़क हादसे में निधन

» प्रथम न्यूज । कांगड़ा

02 जून (एएम नाथ)

शौर्य चक्र से सम्मानित इंडियन नेवी के MARCOS कमांडो अमित कुमार राणा की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। कमांडो अमित हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की ज्वालामुखी तहसील के लहारू गांव के रहने वाले थे। कश्मीर में चलाए गए ऑपरेशन दन्ना और ऑपरेशन शोक बाबा के दौरान उन्होंने अदम्य साहस से आतंकियों का मुकाबला किया था। जम्मू-कश्मीर में एंटी टेरर ऑपरेशन्स के दौरान अपनी असाधारण वीरता के लिए उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। शांति काल में यह वीरता के लिए सर्वोच्च सैन्य अवॉर्ड है। उनकी गिनती इंडियन नेवी के चुनिंदा मरीन कमांडो में होती रही। हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने उनके निधन पर शोक जताया है।

भारतीय नौसेना के MARCOS कमांडो अमित सिंह राणा लीडिंग मैकेनिकल इंजीनियर थे। ऑपरेशन दन्ना के दौरान उन्होंने लेफ्टिनेंट कमांडर महेश कुमार को कवर देते हुए बहुत करीब से एक आतंकवादी को मार गिराया था। दोनों अफसरों ने इस ऑपरेशन में आतंकियों का सफाया कर दिया था। ऑपरेशन शोक बाबा में भी कमांडो अमित राणा ने दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए थे। अमित राणा ने गोलीबारी के बीच जान पर खेलकर आतंकियों के ठिकाने पर आईआडी लगाया। नतीजा यह रहा कि तीन आतंकवादी मारे गए थे।

शहीद कमांडो को हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने श्रद्धांजलि दी। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि हिमाचल प्रदेश ने अपना एक बहादुर सपूत खो दिया है, जिसने कई महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों के माध्यम से साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देश की सेवा की।

सचिवालय क्षेत्र में प्रदर्शन करने वाले वकीलों पर एफआईआर, यातायात बाधित करने का आरोप

प्रतिबंधित क्षेत्र में बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर पुलिस की कार्रवाई, जांच जारी

» प्रथम न्यूज । शिमला

02 जून (एएम नाथ)

सचिवालय क्षेत्र में हुए प्रदर्शन के मामले में हिमाचल प्रदेश पुलिस ने प्रदर्शनकारी वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिला पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुछ व्यक्तियों ने बिना अनुमति प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश कर प्रदर्शन किया तथा यातायात अवरुद्ध किया, जिससे आम जनता और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। पुलिस के अनुसार घटना के संबंध में पुलिस थाना पूर्व (ईस्ट) शिमला में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें सार्वजनिक मार्ग में अवरोध उत्पन्न करने, वैध आदेशों की अवहेलना करने और लोक असुविधा पैदा करने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रदर्शनकारियों ने निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की उपलब्धता के बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्र में एकत्र होकर प्रदर्शन किया। इससे सचिवालय और आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई तथा आम नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ी। पुलिस ने कहा है कि वह नागरिकों के शांतिपूर्ण और विधिसम्मत तरीके से अपने विचार व्यक्त करने के लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान करती है, लेकिन कानून का उल्लंघन कर सार्वजनिक मार्गों को बाधित करना स्वीकार्य नहीं है। मामले की जांच जारी है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों में छात्र सुरक्षा, ट्रांसपोर्ट नीति और पार्किंग व्यवस्था को लेकर प्रशासन सख्त, नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

02 जून (पुनीत महाजन)

जिला प्रशासन ने शहर के निजी स्कूलों में छात्र सुरक्षा, सुरक्षित परिवहन व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन तथा भवन मानकों के पालन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उपायुक्त ने निजी स्कूलों के प्रबंधकों के साथ आयोजित बैठक में स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े किसी भी नियम की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में स्कूलों को निर्देश दिए गए कि वे छात्रों के सुरक्षित आवागमन के लिए निर्धारित सेफ ट्रांसपोर्टेशन पॉलिसी को पूर्ण रूप से लागू करें। स्कूल बसों, वैनों और अन्य परिवहन

साधनों के संचालन में सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। प्रशासन ने यह भी पाया कि कुछ स्कूलों द्वारा स्वीकृत पार्किंग स्थलों का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इस पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए गए कि पार्किंग क्षेत्र का उपयोग केवल वाहनों की पार्किंग के लिए ही किया जाए। साथ ही छात्रों के पिक-अप और ड्रॉप की व्यवस्था स्कूल परिसर के भीतर ही सुरक्षित ढंग से सुनिश्चित करने को कहा गया है। उपायुक्त ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश स्कूलों के लिए आवश्यक सुधार और कमियों को दूर करने का अंतिम अवसर है। यदि भवन योजनाओं, सुरक्षा मानकों, पार्किंग व्यवस्था या अन्य नियमों के उल्लंघन की शिकायतें सामने आती हैं तो संबंधित संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि स्कूल खुलने के बाद विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो बिना अतिरिक्त चेतावनी के सख्त कदम उठाए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने सभी निजी स्कूलों से विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन करने की अपील की है, ताकि स्कूल परिसर और परिवहन व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित बनी रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय
Website : www.prathamnews.in

एक नज़र

चोरी की 20 मोटरसाइकिलें बरामद, गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

चाईबासा (ब्यूरो) : झारखंड के पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम सिंहभूम जिलों की पुलिस ने संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस दौरान चोरी की 20 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जबकि गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 1 जून को पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नौबामुंडी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद-बिक्री में संलिप्त है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (किरीबुरू) के नेतृत्व में नौबामुंडी, किरीबुरू और बड़ा जामदा थाना पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। इसी दौरान पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के सिदगोड़ा थाना की पुलिस भी मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले की जांच कर रही थी। दोनों जिलों की पुलिस ने आपसी समन्वय के साथ संयुक्त अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान नौबामुंडी थाना क्षेत्र के दुकासाई गांव से सोनू लोहरा उर्फ भोला (20) को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस ने आगे की कार्रवाई में दूसरे आरोपी थाना छोटानागरा के टोटोगांड़ा निवासी राज पूर्ति (23) को भी गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर टोटोगांडा गांव से 9 मोटरसाइकिलें तथा किरीबुरू थाना क्षेत्र के टोटीबा बिरहोर टोला से 6 अन्य मोटरसाइकिलें बरामद की गईं।

पुलिस के अनुसार, कुल 20 बरामद मोटरसाइकिलों की अनुमानित कीमत 25 से 30 लाख रुपए के बीच है। बरामद वाहनों में होंडा एक्टिवा, बजाज पल्सर एनएस-200, हीरो सुपर स्प्लेंडर, यामाहा आर-15, यामाहा एफजेड, होंडा शाइन, यामाहा फेजर और फसिनो समेत विभिन्न कंपनियों के दोपहिया वाहन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह विभिन्न इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें दूर-दराज के क्षेत्रों में कम कीमत पर बेचने का काम करता था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है।

अमेरिका में 30 भारतीय ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार, ट्रंप प्रशासन का अवैध प्रवासियों पर बड़ा एक्शन

US में 'ऑपरेशन चेकमेट' के तहत कार्रवाई, 30 भारतीय नागरिक डिपोर्टेशन के खतरे में

वांशिगटन (एजेंसी)- अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 30 भारतीय ट्रक ड्राइवरों की गिरफ्तारी की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए भारतीय नागरिकों को जल्द ही भारत डिपोर्ट किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान इन भारतीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया। ये सभी अमेरिका में कमर्शियल ट्रक ड्राइवर के रूप में कार्य कर रहे थे। एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 11 से 15 मई के सप्ताह के दौरान एरिज़ोना के युमा सेक्टर में सीमा गश्ती एजेंटों ने 'ऑपरेशन चेकमेट' के तहत कुल 52 अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में 36 सेमी-ट्रक चालक शामिल थे। इनमें सबसे अधिक 30 नागरिक भारत के बताए गए हैं, जबकि बाकी छह लोग मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के नागरिक हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन व्यक्तियों की आव्रजन स्थिति की जांच के दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण (वर्क ऑथराइजेशन) से जुड़े दस्तावेज मौजूद थे, लेकिन ये दस्तावेज पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए थे और अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। इसी आधार पर उन्हें अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाला माना गया। ट्रंप प्रशासन के दौरान विदेशी मूल के ट्रक चालकों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी देखी जा रही है। पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों पर कमर्शियल वाहन चलाते समय गंभीर और जानलेवा सड़क दुर्घटनाएं करने के आरोप लगे हैं। इसी पृष्ठभूमि में अमेरिकी एजेंसियां ट्रकिंग उद्योग में कार्यरत प्रवासियों की कानूनी स्थिति की व्यापक जांच कर रही हैं। इस कार्रवाई को अमेरिका की सख्त आव्रजन नीति का हिस्सा माना जा रहा है।

एकल मां के संघर्ष और त्याग का मिला स्वर्णिम सम्मान, बेटे डॉ. दमनदीप सिंह ने जीता गोल्ड मेडल

कुरुक्षेत्र 2 जून (बृज मोहन) एकल मां के संघर्ष, ममता और अटूट हौसले ने बेटे को वह मुकाम दिलाया, जहां आज सफलता ने गोल्ड मेडल का रूप ले लिया। पीजीआई चंडीगढ़ के 39 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में रेडियोडायग्नोसिस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डॉ. दमनदीप सिंह को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपनी माता बलजीत कौर को दिया। बलजीत कौर वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग में कुरुक्षेत्र में पीओ पद पर कार्यरत हैं। डॉ. दमनदीप सिंह की सफलता की कहानी आज समाज और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। बचपन से चिकित्सक बनने का सपना देखने वाले दमनदीप ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पीजीआई चंडीगढ़ से रेडियोडायग्नोसिस में स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में वे एम्स, नई दिल्ली में डीएम कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग में सेवाएं दे रहे हैं।

डॉ. दमनदीप सिंह ने कहा कि उनकी माता ने अकेले दम पर परिवार की ज़िम्मेदारियां निभाईं और हर मोड़ पर उन्हें संभाला। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी उनकी शिक्षा और सपनों के बीच रुकावट नहीं आने दी। मां ने हमेशा प्रोत्साहित किया और हर चुनौती में उनका साथ दिया। बलजीत कौर वर्तमान में महिला एवं बाल विकास विभाग में जिला स्तरीय अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बीच उन्होंने बेटे के उज्ज्वल भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। मां का त्याग, अनुशासन और निरंतर प्रोत्साहन ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत है। बेटे की इस उपलब्धि पर भावुक हुई माता बलजीत कौर ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सबसे अनमोल उपहार है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उस मातृशक्ति का सम्मान है, जो संघर्षों के बीच भी अपने बच्चों के सपनों को साकार करती है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान: अचानक इन चीजों पर 10 प्रतिशत घटाया टैरिफ, 2027 तक मिलेगी राहत

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
02 जून (एजेंसी)

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कृषि और औद्योगिक उपकरणों पर लगने वाले आयात शुल्क (टैरिफ) में बड़ी कटौती का ऐलान किया है। ट्रंप प्रशासन ने चुनिंदा कृषि उत्पादों और औद्योगिक मशीनरी पर लागू 25 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है।

यह अस्थायी राहत दिसंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी।

व्हाइट हाउस के अनुसार, इस फैसले का उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को समर्थन देना है।

सरकार का मानना है कि कम टैरिफ से सस्ते आयात को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही अमेरिकी इस्पात और एल्युमीनियम के अधिक उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

क्यों लिया गया फैसला?

राष्ट्रपति ट्रंप की नई घोषणा के तहत यह टैरिफ कटौती कृषि और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों की लागत कम करने के लिए की गई है। इससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और कृषि उत्पादन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नई दरें कंबाइन, हार्वेस्टर, बुलडोजर, फोर्कलिफ्ट और अन्य कृषि एवं औद्योगिक मशीनरी पर लागू होंगी। व्हाइट हाउस का कहना है कि कम टैरिफ से किसानों और कृषि उत्पादकों को अपेक्षाकृत कम लागत पर आधुनिक उपकरण खरीदने में मदद मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन ने कम टैरिफ के दायरे में आने वाले औद्योगिक उपकरणों की सूची का भी विस्तार किया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह कदम कृषि, आवास और विनिर्माण क्षेत्रों को समर्थन देने के साथ-साथ कंपनियों को उत्पादन क्षमता बढ़ाने और नए उपकरणों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा।

स्टील और एल्युमीनियम के लिए नई प्रोत्साहन योजना

ट्रंप प्रशासन ने घरेलू स्तर पर उत्पादित स्टील और एल्युमीनियम की मांग बढ़ाने के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना की भी घोषणा की है। इसके तहत विदेशी निर्माता 10 प्रतिशत की और भी कम टैरिफ दर का लाभ उठा सकेंगे, बशर्ते उनके आयातित पूंजीगत उपकरणों में वजन के आधार पर कम से कम 85 प्रतिशत अमेरिकी स्टील या एल्युमीनियम का उपयोग किया गया हो।

प्रशासन का मानना है कि इस कदम से घरेलू उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी।

क्या भारत को मिलेगा फायदा?

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह टैरिफ राहत मुख्य रूप से उन देशों पर लागू होगी जिनके साथ अमेरिका के व्यापार समझौते (Trade Agreements) हैं।

ऐसे देशों से आयात होने वाले कृषि उपकरणों और औद्योगिक मशीनरी पर अब 15 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो पहले 25 प्रतिशत था। हालांकि, भारत को इस राहत का सीधा लाभ मिलने की संभावना फिलहाल कम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अभी अंतिम चरण तक नहीं पहुंची है।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से मकान गिरा, 6 लोग मलबे से निकाले गए; सर्च-रेस्क्यू जारी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
02 जून (ब्यूरो)

दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। भलस्वा डेरी के पास स्थित मुकुंदपुर-II के ईशु विहार में एक मकान में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने के बाद पूरा घर ढह गया। हादसे के समय मकान में मौजूद कई लोगों के मलबे में दब जाने की आशंका जताई गई, जिसके बाद पुलिस, दमकल विभाग और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए।

दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, सुबह 9:37 बजे मुकुंदपुर-II के ईशु विहार, गली नंबर-1 से धमाके और मकान गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी गिरिराज ने बताया कि शुरुआती जांच में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट को हादसे का कारण माना जा रहा है। विस्फोट के चलते करीब 250 वर्ग गज में फैला एक मंजिला मकान पूरी तरह ढह गया। राहत दल ने अब तक मलबे से 6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। इनमें दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि दो महिलाएं भी बचाए गए लोगों में शामिल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मकान में कुछ मजदूर अपने परिवारों के साथ रहते थे। फिलहाल मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी किसी अन्य व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की संभावना नहीं दिख रही है, हालांकि एहतियात के तौर पर तलाशी अभियान जारी रखा गया है।

पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

लॉन्च होते ही ठप हुआ CBSE का री-इवैल्यूएशन पोर्टल, छात्रों को हुई परेशानी; बोर्ड ने दोबारा किया एक्टिव

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
02 जून (ब्यूरो)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) का पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन पोर्टल लॉन्च होते ही तकनीकी खामियों का शिकार हो गया। करीब चार दिन के इंतजार के बाद पोर्टल के सक्रिय होने से छात्रों को राहत मिली थी, लेकिन कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर शिकायतों की बाढ़ आ गई। हालांकि, बोर्ड का दावा है कि पोर्टल को दोबारा सक्रिय कर दिया गया है।

छात्रों के अनुसार, लॉगिन विवरण दर्ज करने के बाद स्क्रीन फ्रीज हो रही थी, जिससे आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही थी। कई छात्रों ने पोर्टल में आ रही तकनीकी गड़बड़ियों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। वहीं, कुछ छात्रों ने लॉगिन संबंधी समस्याओं की शिकायत दर्ज कराई है। पोर्टल में आई इन तकनीकी दिक्कतों के बाद छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है। यह समस्या ऐसे समय सामने आई है, जब बोर्ड की ओर से पोर्टल लॉन्च को लेकर कई बार आश्वासन दिए जा चुके थे। छात्रों का कहना है कि लंबे इंतजार के बाद सेवा शुरू हुई, लेकिन कुछ ही समय में उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि इस समस्या से 4,04,319 से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें इस वर्ष अंकों के सत्यापन, उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना है। सीबीएसई की नई ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर पहले से ही विवाद बना हुआ है। इसी बीच Dharmendra Pradhan ने अनुमान जताया था कि मूल्यांकन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को देखने वाले लगभग हर पांच में से एक छात्र सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकता है। इसके आधार पर करीब 80 हजार आवेदन मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। कक्षा 12वीं के परिणाम घोषित होने के बाद से ही पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया सवालों के घेरे में रही है। छात्रों और अभिभावकों ने भुगतान गेटवे में खराबी, अतिरिक्त शुल्क कटने, रसीद न मिलने, लॉगिन संबंधी समस्याओं तथा स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं तक पहुंच में कठिनाइयों की शिकायत की है।

अगले तीन दिन में दस्तक दे रहा मानसून, दिल्ली-यूपी समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
02 जून (ब्यूरो)

देशभर के मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों के भीतर केरल में प्रवेश कर सकता है। इसके साथ ही विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत 17 राज्यों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी के अनुसार, सामान्यत: मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसकी दस्तक में हल्की देरी हुई है। हालांकि, वर्तमान मौसमीय परिस्थितियां मानसून के आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं।

इसके प्रभाव से पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई इलाकों में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ तूफान और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की आशंका जताई है।

उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम का हाल

दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 1 से 5 जून के बीच हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। विशेष रूप से 3 और 4 जून को 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3 और 4 जून को तेज आंधी की चेतावनी जारी की गई है, जबकि 2 और 5 जून को बारिश होने के आसार हैं। उत्तराखंड में 6 जून तक गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है।

राजस्थान में 2 जून को तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि 3 से 5 जून के बीच कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 जून के दौरान तेज आंधी और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हो सकती है। 6 जून को भी बारिश के आसार बने हुए हैं।

मध्य और पश्चिमी भारत में बारिश का दौर

पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2 और 3 जून को भारी बारिश की संभावना है, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश में 5 जून तक हल्की बारिश जारी रह सकती है। छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में 2 से 5 जून के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। केरल और माहे में 3 से 7 जून के बीच कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी कई इलाकों में भारी बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। आंध्र प्रदेश में 2 जून को भारी बारिश का अनुमान है, जबकि तेलंगाना में 5 जून तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी असर

बिहार में 5 और 6 जून को तथा झारखंड में पूरे सप्ताह गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4 से 6 जून के बीच भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

ओडिशा में 2 जून को 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं, 3 से 5 जून के बीच राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 1 से 7 जून तक लगातार भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। असम और मेघालय में 4 से 7 जून के बीच विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 और 7 जून को भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

हिमाचल में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों का होगा राज्यस्तरीय शपथ ग्रहण

» प्रथम न्यूज । शिमला
02 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव संपन्न होने के बाद अब नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया आरंभ होने जा रही है। पंचायती राज विभाग ने प्रधानों और उपप्रधानों के राज्यस्तरीय शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्ताव भेज दिया है। मुख्यमंत्री सुक्खू की स्वीकृति और समय मिलने के बाद समारोह की तिथि निर्धारित की जाएगी। जानकारी के अनुसार, शिमला स्थित ऐतिहासिक पीटरहाफ में विशेष शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस समारोह में प्रदेशभर से चुने गए 3754 प्रधान और उतने ही उपप्रधानों को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

पंचायती राज चुनाव अधिनियम के अनुसार, जिला परिषद सदस्यों को संबंधित जिलों के उपायुक्त शपथ दिलाते हैं, जबकि पंचायत समिति सदस्यों को जिला उपायुक्त द्वारा अधिकृत अतिरिक्त जिला उपायुक्त या उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) शपथ ग्रहण करवाते हैं। पंचायतों के वार्ड सदस्यों को संबंधित पंचायत प्रधान शपथ दिलाते हैं। नई पंचायतों के गठन के बाद विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में नई गति मिलेगी।

जंजहली की बेटी दीया ने स्वकमंडी में लहराया परचम, BA में हासिल की 10वीं रैंक

» प्रथम न्यूज । जंजहली (मंडी)
02 जून (नरेंद्र भारती)

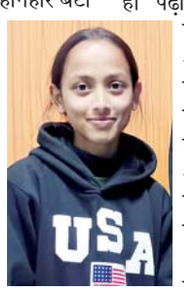

सराज घाटी के जंजहली क्षेत्र के छोटे से गांव कटारू की होनहार बेटी दीया ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी की बीए (2023-26) बैच की टॉपर सूची में 10वीं रैंक हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 8.60 से अधिक सीजीपीए प्राप्त कर दीया ने साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती और मेहनत करने वालों के लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। गवर्नमेंट कॉलेज सराज, लंबाथाच की छात्रा दीया का जन्म जंजहली के कटारू गांव में हुआ। पहाड़ी क्षेत्र की चुनौतियों और सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने शुरू से ही पढ़ाई को अपनी प्राथमिकता बनाया। पहले सेमेस्टर से लेकर अंतिम वर्ष तक उनका प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा। क्लास में नियमित उपस्थिति, व्यवस्थित नोट्स तैयार करना और समय पर असाइनमेंट जमा करना उनकी विशेष पहचान रही।

दीया की इस उपलब्धि के पीछे उनके माता-पिता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके पिता पेशे से अध्यापक हैं, जिन्होंने बचपन से ही शिक्षा के महत्व को समझाते हुए बेटी की पढ़ाई में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। वहीं उनकी माता, जो गृहणी हैं, ने घर की जिम्मेदारियां संभालकर बेटी को पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया।

दीया ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। पढ़ाई के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी और प्रतिदिन छह से सात घंटे एकाग्रता के साथ अध्ययन किया। उनका मानना है कि अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं।

दीया की उपलब्धि की खबर मिलते ही कटारू गांव में खुशी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर और शुभकामनाएं देकर बेटी की सफलता का जश्न मनाया।

नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या का मामला तीन आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । मध्य प्रदेश
02 जून (ब्यूरो)

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले से एक गंभीर और दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह घटना 28 मई को जनकगंज थाना क्षेत्र के नवग्रह मंदिर पहाड़ी इलाके में हुई।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक ने कथित तौर पर पीड़िता को बहला-फुसलाकर जंगल क्षेत्र में ले गया, जहां उसके साथ अपराध को अंजाम दिया गया। इसके बाद लड़की की हत्या कर दी गई और साक्ष्य छिपाने के प्रयास किए गए।

'तुम पूरी तरह पागल हो चुके हो, मैं न होता तो तुम...' ट्रंप ने नेतन्याहू को सुनाई खूब खरी-खरी

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
02 जून (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन पर कड़ी फटकार लगाई है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने अपने गुस्से को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।

हाल ही में, इजरायल ने दक्षिणी बेरूत में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमलों के आदेश दिए थे। इसके बाद ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही परमाणु वार्ता से पीछे हटने की चेतावनी दी थी।

'एक्सियोस' की रिपोर्ट के अनुसार, फोन पर बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू से हिज्बुल्लाह पर किए जा रहे हमलों को तुरंत रोकने का आग्रह किया।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रंप ने कहा,तुम पूरी तरह पागल हो चुके हो। अगर मैं न होता, तो तुम आज जेल में होते। मैं तुम्हारी जान बचा रहा हूं। इस समय हर कोई तुमसे नफरत करता है। तुम्हारी इन हरकतों की वजह से आज हर कोई इजरायल से नफरत कर रहा है।

ट्रंप की नाराजगी के बावजूद, नेतन्याहू अपने फैसले पर अड़े रहे। इस फोन कॉल के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट लिखकर इजरायल के सख्त रुख को स्पष्ट किया। नेतन्याहू ने कहा, आज रात मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की। मैंने उनसे साफ कह दिया है कि अगर हिज्बुल्लाह ने हमारे शहरों और नागरिकों पर हमला करना बंद नहीं किया, तो इजरायल बेरूत में आतंकवादी ठिकानों पर हमला करेगा। हमारा यह रुख बिल्कुल नहीं बदला है। इसके साथ ही, इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में अपनी कार्रवाई जारी रखेगी।

इस घटना के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है, और अमेरिकी प्रशासन और इजरायल के बीच कूटनीतिक बातचीत पर भी इसका असर पड़ सकता है।